NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 112 लखनऊ, शनिवार 07 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

संभल-बांग्लादेश हिंसा का डीएनए एक, अयोध्या में बोले सीएम योगी- कुछ लोग बांटने में लगे हैं

राम कथा पार्क में रामायण मेले के उद्घाटन के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले बाबर के आदमी ने अयोध्या कुंभ में क्या किया था। संभल में भी वही हुआ और बांग्लादेश में भी वही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और उनका डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी इस बारे में बात करने वाले ऐसे हैं, जिनके पास विदेश में संपत्ति है भाग जायेंगे और दूसरों को यहां मरने के लिए छोड़ देंगे।

लखनऊ 05 दिसम्बर (एजेंसी) सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्एक बार फिर अयोध्या आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से वैश्विक शहर के रूप में नई पहचान के साथ आगे बढ़ रही है। याद रखें कि पीएम के प्रयासों से इस साल जनवरी में कैसे नरेंद्र मोदी, भगवान राम पांच सौ साल बाद फिर से मंदिर में विराजमान हुए हैं, जो कोई भी भगवान राम और माता जानकी का सम्मान नहीं करता, चाहे वे आपके कितने भी प्रिय क्यों न हों, उसे दुश्मन की तरह त्याग देना चाहिए। इसीलिए राम भक्तों ने 1990 में नारा दिया था, श्जो राम का नहीं हमारे किसी काम का नहींश। राजनीति में डॉ. राम मनोहर लोहिया आदर्शों के प्रतीक माने जाते हैं। आज की राजनीति में सच्चा समाजवादी स्वतंत्र है संपत्ति और बच्चों के प्रति लगाव से हालाँकि, आज के समाजवादी परिवारवादी बन गये हैं। अपराधियों और गुंडों के संरक्षण के बिना उनकी हालत पानी के बिना संघर्ष कर रही मछली की तरह हो जाती है... वे लोहिया के नाम पर राजनीति तो करते हैं लेकिन उनके एक भी आदर्श को नहीं अपना पाते हैं।राम कथा पार्क में रामायण मेले के उद्घाटन के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले बाबर के आदमी ने अयोध्या कुंभ में क्या किया था। संभल में भी वही हुआ और बांग्लादेश में भी वही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और उनका डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है, तो वही तत्व यहां भी इस बारे में बात करने वाले ऐसे हैं, जिनके पास विदेश में संपत्ति है भाग जायेंगे और दूसरों को यहां मरने के लिए छोड़ देंगे। मुख्यमंत्री ने लगे हाथ स्वयं की आस्था का भी इजहार किया। साथ ही कहा कि हमने प्रभु राम को आदर्श माना है और उनके आदर्श से कुछ भी ले सके, तो जीवन धन्य हो जाएगा। आज जब लोग छोटे–छोटे स्वार्थ के लिए मारने–मरने पर उतारू रहते हैं, तो श्री राम का आदर्श हमारा मार्गदर्शन करता है, पिता की आज्ञा मानकर उन्होंने क्षण भर की भी देरी किए बिना अयोध्या के राज्य का परित्याग कर दिया और स्वयं वन को चले गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने नगालैंड के लोगों को हार्नबिल महोत्सव की बधाई दी

हार्नबिल महोत्सव नगालैंड का 10 दिनों का वार्षिक सांस्×तिक उत्सव है। आम तौर पर, नगालैंड के राज्य दिवस के उपलक्ष्य में एक दिसंबर से 10 दिसंबर तक उत्सव का आयोजन किया जाता है।

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नगालैंड के लोगों को हॉर्नबिल महोत्सव की बधाई दी और देशवासियों से आग्रह किया कि वे इसके जरिए नगा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव करें।प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हॉर्नबिल महोत्सव के लिए मेरी शुभकामनाएं और नगालैंड के लोगों को इस जीवंत त्योहार के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई। मुझे इस वर्ष के महोत्सव के दौरान अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊपन पर ध्यान केंद्रित करने की भी खुशी है।''उन्होंने कहा, ''कुछ वर्ष पहले इस महोत्सव की अपनी यात्रा से मेरी यादें जुड़ी हैं और मैं दूसरों से आग्रह करता हूं कि वे इसे देखें और नगा संस्कृति की जीवंतता का अनुभव करें।'' प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के एक पोस्ट पर की, जिसमें उन्होंने हार्नबिल महोत्सव में भाग लेने की जानकारी साझा की थी।रियो ने 'एक्स' पर कहा, ''केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ किगवेमा गांव में हॉर्नबिल महोत्सव के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया। यह शुभ समारोह एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम को चिह्नित करने के साथ ही प्रगति और एकता का प्रतीक भी है।''हॉर्नबिल महोत्सव नगालैंड का 10 दिनों का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है। आम तौर पर, नगालैंड के राज्य दिवस के उपलक्ष्य में एक दिसंबर से 10 दिसंबर तक उत्सव का आयोजन किया जाता है। यह महोत्सव पहली बार वर्ष 2000 में आयोजित किया गया था।

संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा,

केंद्र सरकार से किया पड़ोसी देश में सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध

मालिनी ने उल्लेख किया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फार कृष्णा कान्शियसनेस (इस्कान) पूरी दुनिया में स्थापित है और आज इसके लगभग हजार केंद्र हैं। मथुरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली मालिनी ने कहा कि वे पूरी दुनिया में वैदिक संस्×ति फैलाने और कृष्ण चेतना और शांति फैलाने के लिए जाने जाते हैं।

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा लोकसभा में गूंजा। भाजपा सदस्यों ने सरकार से पड़ोसी देश में हिंदुओं और इस्कॉन अनुयायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भाजपा की हेमा मालिनी ने कहा कि मैं बेहद दुखी हूं यह देखकर कि बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं और हिंदू मंदिरों, खासकर इस्कॉन और उसके भक्तों के साथ क्या हो रहा है। हिंदू मंदिरों पर लगातार हमले जारी हैं। मालिनी ने उल्लेख किया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) पूरी दुनिया में स्थापित है और आज इसके लगभग हजार केंद्र हैं। मथुरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली मालिनी ने कहा कि वे पूरी दुनिया में वैदिक संस्कृति फैलाने और कृष्ण चेतना और शांति फैलाने के लिए जाने जाते हैं। मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों पर हमले तुरंत रोके जाएं और चिन्मय कृष्ण दास सहित सभी इस्कॉन भक्तों को जेल से रिहा किया जाए और देशद्रोह का मामला हटाया जाए। असम में दरांग–उदलगुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद दिलीप सैकिया और उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया ने भी लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया।संतों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार कोबांग्लादेश उप उच्चायोग में एक ज्ञापन सौंपा जिसमें पड़ोसी देश (बांग्लादेश) में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कार्तिक महाराज ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी पत्र लिखकर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी उपायों की मदद लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम नहीं उठाए गए तो पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

उमर अब्दुल्ला का आरोप, सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को बनाया जा रहा निशाना

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पार्टी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 119वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अब एक सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। ये बात मैंने बार–बार कही है। उन्होंने आगे कहा कि आप कहते हैं कि आप मुसलमानों का तुष्टीकरण नहीं करेंगे, तो ऐसा न करें, हम तुष्टिकरण नहीं चाहते। लेकिन हमें निशाना मत बनाओ। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी मस्जिदों, दरगाहों और जिस तरह हम अपने धर्म का पालन करते हैं उस पर हमला करके आप हमें प्रताड़ित कर रहे हैं और यह वह भारत नहीं है जिसका जम्मू–कश्मीर हिस्सा था। यह वह भारत नहीं है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। पूर्व सांसद और एनसी विधायक हसनैन मसूदी ने कहा कि यह सब पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के खिलाफ है। संभल में जो हुआ और अन्य स्थानों पर जो प्रयास किए जा रहे हैं – ये विभाजनकारी ताकतें हैं...ऐसी ताकतें हैं जो लोगों के बीच दरार पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। यह राष्ट्रहित में नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने सुखबीर बादल पर हमले को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि कल सुखबीर बादल पर हमले के बाद मैंने उनसे बात की. हमने स्थिति के बारे में बात की, जाहिर है, कुछ चीजें जो उन्होंने मेरे साथ साझा कीं, वे सार्वजनिक उपभोग के लिए नहीं हैं। लेकिन अगर दिन के उजाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री पर इस तरह से हमला हो सकता है तो ये चिंता की बात है। जाहिर है इस पर गौर करने की जरूरत है यह कैसे हुआ और यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसा न हो।

राहुल गांधी उच्च दर्जे के गद्दार... संबित पात्रा का कांग्रेस पर निशाना, बोले- देश को तोड़ने की हो रही है साजिश

भाजपा ने कई मौकों पर सोरोस को कांग्रेस से जोड़ा है क्योंकि अमेरिकी अरबपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखर आलोचक रहे हैं। पात्रा ने दावा किया कि कुछ ताकतें भारत को तोड़ना और इसकी एकता को तोड़ना चाहती हैं और देश को प्रगति करते नहीं देखना चाहतीं।

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) रिश्वत मामले में अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका के अभियोग पर विवाद को लेकर भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया और आरोप लगाया कि पार्टी भारत को अस्थिर करने के लिए अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। पात्रा की प्रतिक्रिया फ्रांसीसी अखबार मीडियापार्ट द्वारा 2 दिसंबर को श्खोजी पत्रकारिता के दिग्गज और अमेरिकी सरकार के बीच छिपे हुए संबंधश शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित करने के बाद आई, जिसमें आरोप लगाया गया कि सोरोस ने ओसीसीआरपी को वित्त पोषित किया। हालाँकि, सरकारी सूत्रों ने कहा कि यह रिपोर्ट भारत की विकास कहानी पर एक गुप्त हमला है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुछ दिनों पहले खुलासा हुआ है कि कुछ ताकतें भारत वर्ष को तोड़ना चाहती हैं। भारत वर्ष की एकता और संप्रभुता के साथ खिलवाड़ करना चाहती हैं, वो नहीं चाहती हैं कि भारत आगे बढ़े। 2 दिसंबर को एक फ्रेंच समाचार पत्र मीडियापार्ट द्वारा कुछ गंभीर खुलासा किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि एक त्रिकोणीय गठजोड़ सामने आया है, जिसमें कुछ अमेरिकी एजेंसियों के साथ–साथ जॉर्ज सोरोस और अमेरिका में उनका फाउंडेशन भी शामिल है। इस त्रिकोण का दूसरा शीर्ष एक प्रमुख समाचार पोर्टल, ब्ब्ट्च है। उधर, अव्वल दर्जे के गद्दार राहुल गांधी इस त्रिकोण के तीसरे कोण का प्रतिनिधित्व करते हैं। भाजपा ने कई मौकों पर सोरोस को कांग्रेस से जोड़ा है क्योंकि अमेरिकी अरबपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखर आलोचक रहे हैं। पात्रा ने दावा किया कि कुछ ताकतें भारत को तोड़ना और इसकी एकता को तोड़ना चाहती हैं और देश को प्रगति करते नहीं देखना चाहतीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह राहुल गांधी को ष्देशद्रोहीष कहने से नहीं डरते। उन्होंने कहा कि मैं यह शब्द कहने से नहीं डरता। मुझे लोकसभा में विपक्ष के नेता को गद्दार कहने में कोई झिझक नहीं है। मेडियापार्ट नामक एक फ्रांसीसी समाचार पत्र का हवाला देते हुए, पात्रा ने दावा किया कि ओसीसीआरपी को सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से पर्याप्त धन मिलता है और कहा कि ष्ओसीसीआरपी सोरो के हितों और अमेरिका की गहरी स्थिति के अनुरूप प्रतीत होता हैष। उन्होंने कहा कि ओसीसीआरपी एक वैश्विक मीडिया एजेंसी है, वह जो प्रकाशित करती है उसे करोड़ों लोग पढ़ते हैं। ओपन सोसाइटी फाउंडेशन इस एजेंसी का एक बड़ा फंडर है।

भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की : अखिलेश यादव

अखिलेश ने एक समाचार पत्र की 'कटिंग' भी इस पोस्ट में साझा की है जिसका शीर्षक है, "सिगरेट, तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाकर 35 प्रतिशत की जा सकती है, जीएसटी परिषद का निर्णय 21 दिसंबर को।

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) जीएसटी परिषद द्वारा कई वस्तुओं पर कर बढ़ाए जाने की संभावना की खबरों को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र पर प्रहार करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की योजना राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने की है।अखिलेश ने 'एक्स' पर लिखा, "कहां तो भाजपाई कह रहे थे "एक देश, एक कर।" लेकिन उनकी यह बात भी जुमलाई झूठ निकली, क्योंकि अब वे कर की नई 'स्लैब' ला रहे हैं। जब "एक कर, कई स्लैब" हैं तो एक कर का नारा सही मायनों में झूठा साबित हुआ न।"उन्होंने कहा, "दरअसल कर की दरें बेतहाशा बढ़ाने के पीछे एक बड़ा खेल है। यह राजस्व बढ़ाने से ज्यादा भ्रष्टाचार बढ़ाने और फिर अधिकारियों के माध्यम से दुकानदारों, कारोबारियों पर दबाव बढ़ाकर ज्यादा वसूली की भाजपाई योजना है।"अखिलेश ने कहा, "दुनिया का नियम है कि जितनी अधिक कर की दर होती है, उतनी ही अधिक कर की चोरी होती है और जितनी अधिक कर की चोरी होती है, उतनी ही अधिक भ्रष्ट सत्ताधारियों की कमाई होती है। भाजपा सरकार में कर चुराने के लिए और उससे वसूली के लिए पिछले दरवाजे के रास्ते पहले तैयार कर लिए जाते हैं। उसके बाद कोई कर योजना सामने के दरवाजे से बाहर नहीं आती।"उन्होंने कहा, "हर कर को चुकाने का बोझ आखिर में जनता पर ही आता है। इसलिए घूम–फिरकर कर की चक्की में जनता ही पिसती है, जनता ही मारी जाती है।" अखिलेश ने एक समाचार पत्र की 'कटिंग' भी इस पोस्ट में साझा की है जिसका शीर्षक है, "सिगरेट, तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाकर 35 प्रतिशत की जा सकती हैं।

मान मनौवल के बाद तैयार हुए एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री के तौर पर लेंगे शपथ

नई दिल्ली 05 दिसम्बर (एजेंसी) गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस की शपथ से कुछ घंटे पहले, शिंदे खेमे के नेता उदय सामंत ने कहा कि आज एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। इससे मपहले उन्होंने कहा था कि अगर एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो उनकी पार्टी का कोई भी विधायक नई सरकार में कोई पद स्वीकार नहीं करेगा। सामंत के हवाले से कहा गया कि अगर एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करते हैं, तो कोई भी शिवसेना विधायक नई सरकार में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करेगा। शिंदे सेना के विधायक उदय सामंत ने कहा कि पार्टी ने शिंदे से उपमुख्यमंत्री पद संभालने का अनुरोध किया है, अगले 30 मिनट के भीतर निर्णय होने की उम्मीद है। सेना नेता ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)–सपा के जितेंद्र अवहाद की एकनाथ शिंदे से मुलाकात पर भी टिप्पणी की और कहा कि दोस्ती पर कोई आचार संहिता नहीं है। सामंत ने कहा कि राजनीति में, इस बारे में कोई आचार संहिता नहीं है कि कौन किसका मित्र है।

झारखंड कैबिनेट का विस्तार, 11 मंत्रियों ने ली मंत्रिपद की शपथ

मरांडी के शपथ के बाद कई विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली. रामदास सोरेन, दीपक बिरुआ, हफीजुल हसन (जेएमएम) और कांग्रेस की दीपिका पाडे सिंह ने पिछले कैबिनेट पदों को बरकरार रखा।

राची 05 दिसम्बर (एजेंसी) झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिपरिषद ने शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने महेशपुर से झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी को झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर पद की शपथ दिलायी। 28 नवंबर को सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद झामुमो के वरिष्ठ विधायक मरांडी को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया था। मरांडी के शपथ के बाद कई विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली. रामदास सोरेन, दीपक बिरुआ, हफीजुल हसन (जेएमएम) और कांग्रेस की दीपिका पांडे सिंह ने पिछले कैबिनेट पदों को बरकरार रखा।झामुमो ने 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 सीटें जीतीं, जो विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा प्राप्त अब तक की सबसे अधिक सीटें हैं। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस को 16, राजद को 4 और सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को 2 सीटें मिलीं। भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़ा, 21 जीती और विधानसभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

तीनों अनी अखाड़ों ने अलग-अलग क्रम से किया भूमि पूजन

महाकुम्भ नगर। महाकुंभ मेले में शिविर स्थापना से पूर्व आज दिनांक 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे तीनों अनी अखाड़ों ने अलग–अलग क्रमवार भूमि पूजन किया। सबसे पहले अखिल भारतीय निर्वाणी अनी अखाड़ा के संतों ने अपनी भूमि पर भूमि पूजन किया।भूमि पूजन निर्वाणी अनी अखाड़े के श्रीमहंत स्वामी मुरली दास जी महराज व निर्वाणी के अन्तर्गत खाकी अखाड़े के श्री महंत स्वामी मोहनदास जी महाराज ने किया। उसके बाद अखिल भारतीय निर्मोही अनी अखाड़े के श्रीमहंत राजेन्द्र दास, श्रीमहंत रामजी दास,महंत नरेन्द्रदास व खाक चौक व्यवस्था समिति के प्रधानमंत्री महामंडलेश्वर स्वामी संतोष दास सतुआ बाबा ने भूमि पूजन किया सबसे अंत में अखिल भारतीय दिगम्बर अनी अखाड़े में श्रीमहंत स्वामी राम किशोर शास्त्री व श्री महंत वैष्णव दास जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार से पूरे विधि–विधान के साथ भूमि पूजन किया।भूमि पूजन के साथ ही अब शिविर स्थापना का कार्य शुरू हो गया।इस दौरान तीनों अनी अखाड़ों के प्रमुख संतों के अलावा महानिर्वाणी अखाड़े के श्रीमहंत यमुनापुरी जी महराज तथा मेला प्रशासन के अपर मेलाधिकारी दयानन्द जी,विवेक चतुर्वेदी,उप मेलाधिकारी विवेक शुक्ला तथा पुलिस प्रशासन से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी व सेक्टर 20 में तैनात अन्य पुलिस व प्रशासन के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

भूमि पूजन कर देवताओं से रात्रि निवास के लिए मांगी अनुमति-मोहनदास

प्रयागराज। खिल भारतीय खाकी अखाड़े के श्रीमहंत स्वामी मोहनदास जी महाराज ने कहा कि भूमि पूजन करके देवताओं से मेला क्षेत्र में रात्रि निवास के लिए अनुमति मांगी गई।श्री महाराज ने कहा कि भूमि पूजन से यहां अब देवताओं का वास और बुरी शक्तियों का यहां से पलायन हो गया ।अब इस भूमि पर जो भी धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे वे सभी देश व समाज के लिए परम कल्याणकारी होंगे। श्रीमहंत ने कहा भूमि पूजन के बाद अब अखाड़े के अंदर शिविर निर्माण का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है।

मैं संभल जाऊंगा और पीड़ित लोगों की मदद भी करूंगा - अखिलेश यादव

लखनऊ(आएनएस)।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद अखिलेश यादव ने कहा है कि मैं संभल जाऊंगा और पीड़ित लोगों की मदद भी करूंगा। हम चाहते हैं कि संभल के लोगों की मदद हो उनको न्याय मिले। उसके लिए हम लगातार लड़ाई लड़ेंगे। लोकसभा, विधानसभा में मामले को उठाएंगे और न्याय दिलाएंगे। कहा कि भाजपा सरकार संविधान और कानून नहीं मान रही है। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट कानून नहीं मान रही है। समझ में नहीं आ रहा है कि सरकार क्या खोजना चाहती है। भाजपा सरकार को कैलाश पर्वत क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। मानसरोवर नहीं दिखाई दे रहा है। भाजपा से कहिए कि चले मानसरोवर और कैलाश पर्वत की ओर। अगर भाजपा के लोगों में हिम्मत है तो चलें कैलाश और मानसरोवर की ओर हम साथ देंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा कमजोर लोगों पर अन्याय करती है। ये ताकतवर का पैर छूते हैं। ताकतवर के आगे झुक जाते हैं। भाजपा के नकली देश भक्त बताएं कि चीन ने जिस रेजांगला मेमोरियल को तोड़ दिया है, क्या ये लोग उसी जगह पर बनवाएंगे। भाजपा के लोग चीन के खिलाफ नहीं बोलते हैं, चीन के खिलाफ बोलने की उनकी हिम्मत नहीं पड़ती है। भाजपा के पास देश के बड़े सवालों का जवाब नहीं है। कहा कि भाजपा में लखनऊ और दिल्ली की लड़ाई है। इसमें देश का भाईचारा, गंगा–जमुनी तहजीब पिस रही है। लखनऊ की सत्ता में बैठे भाजपा के लोग दिल्ली का रास्ता तलाश रहे हैं। दिल्ली की सत्ता में बैठे भाजपा के लोग जिस रास्ते से सत्ता तक पहुंचे है, लखनऊ वाले भी वहीं फार्मूला खोज रहे हैं। भाजपा सरकार संभल में अन्याय कर रही है। सरकार लोगों को डराना चाहती है। संभल के लोगों के दुख दर्द में नहीं जाने देना चाहती है। भाजपा सरकार की नीयत ठीक नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संभल में सच को छिपाना चाहती है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विपक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय और समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमण्डल को संभल नहीं जाने दिया। लोकसभा में नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी को भी संभल नहीं जाने दिया। संभल की घटना में जिन पीड़ित दुखी लोगों को सरकार ने झूठे मुकदमें लगाकर जेल में बंद किया है। जब समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल उनका दुःख तकलीफ पूछने जेल में मिलने चला गया तो सरकार ने जेलर को निलम्बित कर दिया। सरकार अन्याय कर रही है। हम चाहते हैं सरकार हमारी बात सुने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें लेकिन यह सरकार हमारी बात नहीं सुनना चाहती है। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को डीएनए जैसी बात शोभा नहीं देता है। भगवा पहनकर उन्हें इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। क्या वे वैज्ञानिक है जो डीएनए की बात करते है। लेकिन फिर भी अगर मुख्यमंत्री जी डीएनए की बात करते है तो हम सभी अपना डीएनए चेक कराना चाहते है। मुख्यमंत्री जी भी अपना डीएनए चेक करा ले।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की कोई योजना ठीक से नहीं चल रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है, सरकार पूरी तरह नाकाम है। इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं हुआ, जितना इस सरकार में है। पूरी सरकार झूठ और लूट पर चल रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा हो, शहर कांग्रेस कमेटी ने किया शांति पाठ

लखनऊसंवाददाता बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसक घटनाओं और हमलों को लेकर लखनऊ में शहर कांग्रेस कमेटी ने शांति पाठ और हवन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना रहा। साथ ही इसका मकसद बांग्लादेश में शांति व्यवस्था कायम करने की अपील करना था। शहर कांग्रेस अध्यक्ष की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।कार्यक्रम में कंग्रेसजनों ने बांग्लादेश सरकार से मांग की। कहा कि हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और ऐसे हमलों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। यूपी कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। सरकार ऐसा नहीं कर रही है। संभल में पुलिस की गोली से मारे गए मुस्लिम युवकों की आत्मा की शांति के लिए भी यह शांति पाठ आयोजित किया गया। शांति पाठ और हवन के दौरान उपस्थित जनसमूह ने मिलकर शांति और एकता का संदेश दिया। कांग्रेसजनों ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते भाईचारे के हैं और ऐसी घटनाएं इन रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस मुद्दे को उठाने की भी अपील की। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की और कहा कि ऐसी घटनाओं का विश्व स्तर पर विरोध होना चाहिए।

पुष्पा 2 के शो हाउसफुल, फैन बोले- कल टिकट लिया था, रात भर नींद नहीं आई

लखनऊसंवाददाता राजधानी लखनऊ में अल्लू अर्जुन का जबरदस्त क्रेज है। गुरुवार को पुष्पा 2 की ग्रैंड ओपनिंग हुई। पहला शो हाउसफुल रहा। बाद के सभी 8 शो की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। मूवी देखकर बाहर निकले फैंस ने इसे पैसा वसूल फिल्म करार दिया। मोहम्मद शादाब ने कहा कि कल रात में ही टिकट बुक किया था। रात भर नींद नहीं आई। अब मूवी देखने जा रहा हूं। वहीं, जूही ने कहा कि फिल्म में शानदार एक्शन है। लास्ट में दोनों भाइयों को मिलाकर बेहतरीन एंडिंग की गई है। दर्शकों का कहना है कि दीपावली के बाद कोई बड़ी मूवी आई है। अल्लू अर्जुन की एक्टिंग देखना हमेशा शानदार अनुभव है। इस मूवी का तीसरा पार्ट भी जल्द आएगा। यह सुपर डुपर हिट होने जा रही है। वहीं बुजुर्ग मास्टर बोले कि मूवी में सब कुछ बढ़िया था। लखनऊ के अलग–अलग एरिया में मूवी का टिकट 110 रुपए से लेकर 350 रुपए तक मिल रहा है। ऑनलाइन बुकिंग भी की जा रही है। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म को देखने के लिए बड़ी संख्या में लखनऊ के थियेटरों में पहुंच रहे हैं।

निजीकरण से आरक्षण समाप्त होने के मुद्दे ने पकडा तूल

लखनऊसंवाददाता दक्षिणांचल और पूर्वांचल को पीपीपी मॉडल के तहत निजी क्षेत्र में दिए जाने की विरोध में आज उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के नेतृत्व ने मैं एक 7 सदस्य प्रतिनिध मंडल ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के आवास पर मुलाकात कर उनसे इसके बाद होने वाले हकीकत से अवगत कराया। अवधेश वर्मा ने बताया कि सबसे पहले चुन चुन कर दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंता कार्मिकों को दक्षिणांचल व पूर्वांचल में भेजा गया। अब दोनों कंपनियों के निजीकरण से ज्यादा नुकसान इससे दलित व पिछड़े वर्गों सहित आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का का होगा। क्योंकि उनको मिलने वाला आरक्षण समाप्त हो जाएगा। स्वीकृत पद के अनुपात में यदि आरक्षण को निकाला जाए तो लगभग 16000 पदों पर आरक्षण की व्यवस्था समाप्त होगी। जो दलित व पिछड़े वर्गों के लिए काफी निराशाजनक होगा। पीपीपी मॉडल मॉडल से उपभोक्ता कार्मिक सभी का नुकसान होगा। इस मुद्दे पर हम लोगों ने अपनी बात पावर कॉरपोरेशन चेयरमैन के सामने भी रखी थी। किसी स्तर पर भी संगठन को कोई सार्थक जवाब नहीं प्राप्त हुआ। इसलिए संगठन ने आपसे मिला। प्रदेश के माननीय ऊर्जा मंत्री एके शमा ने कहा अभी इस मुद्दे पर मेरे स्तर पर कुछ कहना जल्दबाजी होगा जब पूरा मसौदा मेरे सामने आएगा तब आप सबसे चर्चा की जाएगी। पावर ऑफिसर एसोसिएशन पदाधिकारी ने जोर देकर ऊर्जा मंत्री से अनुरोध किया कि सबसे ज्यादा नुकसान आरक्षण पर होने वाला है।

बाल सुधार गृह मोहान रोड लखनऊमें आल इंडिया पयामे इन्सानियत फोरम की तरफ से गर्म कपड़े वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊएजेंसी) की सामाजिक संस्था ऑल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम की लखनऊ यूनिट के द्वारा बाल सुधार गृह मोहान रोड लखनऊ में सर्दी के मौसम को देखते हुए सुधार गृह में बंद बाल अपराधियों में 127 गर्म इनर और लोवर वितरित किए । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड शैलेश कुमार सिंह, मीनाक्षी सोनकर अपर जिला जज ६ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे, तथा विशिष्ट अतिथि मौलाना कौसर उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था की तरफ से बच्चों को संबोधित करते हुए मौलाना कौसर ने कहा कि हर इंसान के अंदर एक अच्छा और एक खराब इंसान होता है, जिसे इस प्रकार के सामाजिक कार्यों के द्वारा उचित सुविधाएं प्रदान करके आपके अंदर के अच्छे इंसान को जगाने की कोशिश की जाती,अभी आप की उम्र तो बहुत कम है अगर आप सब अपनी गलतियों को सुधारने का संकल्प लें तो यह कोशिश सार्थक हो सकती है। इस अवसर पर शैलेश कुमार सिंह प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड ने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य इंसान को इंसान से जोड़ना है, आज आप बच्चे हैं लेकिन आप कल के एक जिम्मेदार नागरिक भी बन सकते हैं बस आप को अपना आचरण सुधारना होगा । गलती सब से हो सकती है लेकिन बार बार गलती नहीं होती है उस को अपराध कहा जाता है । इसलिए आप अपनी गलती सुधारिये यहाँ से बाहर आप के माता पिता और पूरा देश आपका इंतजार कर रहा है। वहीँ मीनाक्षी सोनकर अपर जिला जज ६ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि अगर हम से जाने अन्जाने में गलतियां हो जाती हैं लेकिन गलती की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये, और जब भी जेल से बाहर जाने का अवसर मिले तो जीवन को मानवता के साथ व्यतीत करने की कोशिश करना चाहिये। इस अवसर पर मो. शफीक चौधरी, मदरसा नदवा तुल उलेमा के छात्र, डॉ0 रियाज, डॉ0 एहसान सिद्दीकी के0 जी0 एम0 यू0 समेत संस्था के तमाम सदस्यों के साथ कई कर्मचारी गण मौजूद रहे

देहरी पूजन के लिये मथुरा जा रहे जत्थे को पुलिस प्रशासन ने रोका

अखण्ड आर्यावर्त महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को कार्यकर्ताओं के साथ आज होना था रवाना

लखनऊएजेंसी)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में श्रीकृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन के लिये मथुरा जा रहे कार्यकर्ताओं के जत्थे को आज यहां पार्टी मुख्यालय कुर्सी रोड पर पुलिस प्रशासन ने रोक लिया। मालूम हो कि कल छह दिसम्बर को प्रातरू 11 बजे श्रीकृष्ण जन्म भूमि के मुख्य द्वार की देहरी पर यमुना जी के जल को अर्पण कर पूजन करने की घोषणा की है और जिसमें अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा सहित कई संगठनों ने संयुक्त रूप पर देहरी पूजन कर शौर्य दिवस मनाने के लिये देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यकर्ताओं को पहुंच रहै। इसी क्रम में आज कुर्सी रोड स्थित अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में विभिन्न जनपदों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मथुरा के लिये रवाना होना था, इससे पहले ही यहां कार्यकर्ता इकट्ठ्ठे होते उससे पहले ही पुलिस प्रशासन दर्जनों अधिकारी और पुलिस कर्मियों ने पार्टी मुख्यालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया और मथुरा निकलने की तैयारी कर रहे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को देहरा पूजन में शामिल होने से रोक दिया। जिससे वहां मौजूद कार्यकर्ताओं में आक्रोश पैदा हो गया औरे जमकर नारेबाजी की। पुलिस प्रशासन के रोके जाने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि प्रशासन भले ही मुझे और लखनऊ और आसपास के कार्यकर्ताओं को मथुरा जाने से भले ही रोक दिया हो लेकिन देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से मथुरा पहुंच रहे कार्यकर्ताओं को मथुरा की जिलाध्यक्ष छाया गौतम के नेतृत्व में देहरी पूजन करने से प्रशासन रोक नहीं सकता। मथुरा रवाना होने वालों में प्रमुख लोगों में राष्ट्रीय प्रवक्ता बाबा महादेव, राष्ट्रीय नेता सिद्घार्थ दुबे, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय श्रीवतास्तव राष्ट्रीय मंत्री राकेश दत्त मिश्रा महिला मंडल अध्यक्ष अनीता तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में विभिन्न इकाईयों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। श्री त्रिवेदी ने कहा देहरी पूजन कार्यक्रम हर हाल में सफल होने का भरोसा जताते हुये कहाकि मुगल शासनकाल में तोड़े गये लाखों मन्दिरों में एक श्रीकृष्ण जन्मभूमि भी राम मन्दिर की तरह जल्द ही मुक्त होगा।

चर्चित उन्नाव रेप कांड, कुलदीप सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत, मेडिकल ग्राउंड पर मिली अंतरिम जमानत

लखनऊसंवाददाता उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव रेप कांड में जेल में कई सालों से बंद बंद भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरूवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने पार्टी से निष्कासित पूर्व विधायक को अंतरिम जमानत मंजूर कर दी है। बता दें कि सेंगर ने अपने वकील के माध्यम से बिगड़े स्वास्थ के चलते कोर्ट में बेल की अपील की थी। जिसपर सुनवाई करते हुए भाजपा विधायक को जमानत दी गई है। साथ ही हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि एम्स दिल्ली में कुलदीप सिंह सेंगर को भर्ती कराया जाए। कोर्ट ने इस मामले में रिपोर्ट भी मांगी है कि क्या सेंगर का एम्स में इलाज संभव है। कोर्ट के आदेश के बाद अब कुलदीप सिंह सेंगर के जेल से बाहर आने की चर्चा शुरू हो गई है। बता दें कि कुलदीप सिंह सेंगर कई साल पहले ही नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोप के चलते भाजपा से निष्कासित कर दिए गए थे। साल 2017 में कुलदीप सेंगर को उन्नाव में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पिछले आठ सालों से वह अपनी सजा काट रहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने इस मामले में बीते सितंबर महीने में रेप कांड की पीड़िता और उसके परिवार से जवाब मांगा था। बता दें कि कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में ट्रांस्फर कर दिया था। साथ ही प्रदेश की योगी सरकार को दुष्कर्म पीड़िता को 25 लाख रुपये देने का भी आदेश दिया था।

सबसे पहले संभल के डीएम,एसपी के पोस्टर लगाएं, योगी के बयान पर रामगोपाल यादव का रिएक्शन

लखनऊसंवाददाता यूपी के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों संभल हिंसा के आरोपियों के साथ सख्ती से निपटने के आदेश दिए थे। सीएम योगी ने उपद्रवियों की पहचान के लिए उनके पोस्टर सार्वजनिक जगहों पर लगाने के निर्देश दिए थे। इसे लेकर सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने अपनी प्रतिक्रिया व्यकत की है। उन्होंने कहा कि संभल में सबसे पहले डीएम और एसपी के पोस्टर लगाए जाएं। बता दें कि संभल जिले में 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश स्थानीय कोर्ट द्वारा दिया गया था। सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और करीब दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई कर ढाई हजार से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस लिस्ट में समाजवादी पार्टी के संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क और संभल के विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल भी शामिल हैं। संभल हिंसा के बाद से सियासी पारा काफी गर्म है। सपा और कांग्रेस के नेता हिंसा के पीड़ितों से मिलने की होड़ मचाए हुए हैं। इसी कवायद में कल यानी बुधवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी संभल जाने के लिए दिल्ली से रवाना हुए। लेकिम कांग्रेस के काफिले को गाजियाबाद में ही रोक लिया गया। जिसके चलते गाजीपुर बॉर्डर पर भारी जाम लग गया। अपने गंतव्य न पहुंच पाने की वजह से कांग्रेस नेताओं और आम जनता के बीच झड़प हो गई और काफी देर तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बता दें कि राहुल गांधी ने पुलिस–प्रशासन से संभल जाने के लिए काफी विनती की लेकिन उन्हें परमीशन नहीं मिली। राहुल गांधी ने प्रशासन के सामने शर्त भी रखी कि मैं अकेला पुलिस की गाड़ी से चलूंगा, लेकिन फिर भी राहुल को संभल नहीं जाने दिया गया। इससे पहले सपा के डेलीगेशन को भी संभल नहीं जाने दिया गया था। संभल जाने को तैयार सभी सपा नेताओं को नजरबंद किया गया था।

मार्निंग वाकर तक पहुचे .पुलिस अधिकारी हालचाल जाना

लखनऊसंवाददाता लखनऊ पुलिस ने गुरुवार सुबह 4 बजे शहर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों से बातचीत की। बुजुर्गों का हालचाल जाना। उनसे पूछा कि पुलिस मदद कर रही है न? इस दौरान हंसी–ठहाके भी हुए। पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सेंगर की अगुवाई में यह अभियान चलाया गया। इसमें सीपी से लेकर सभी सीनियर अधिकारी और सिपाही तक सड़क पर उतरे। लोगों से मिले और सुरक्षा का भरोसा दिया। साथ ही तेज बाइक चलाने वालों को हिदायत दी गई। मंदिर–मस्जिद पर लगे लाउड स्पीकर का साउंड लिमिट में रखने का सुझाव दिया गया। लखनऊ के सीपी अमरेंद्र सेंगर ने अपराध में जीरो टालरेंस के निर्देश के बाद खुद पुलिसकर्मियों के साथ शहर में गश्त और चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधिकारी शहर के पार्कों में जाकर मॉर्निंग वॉकर से मिले और उनकी कुशलता के विषय में जानकारी ली। शहर के हजरतगंज, दुबग्गा, कृष्णा नगर, शहीद पथ, आगरा एक्सप्रेस–वे से लेकर सभी प्रमुख मार्गों पर वाहन चेकिंग की गई। इसके साथ ही सब्जी मंडी और सुबह खुलने वाली दुकानों पर जाकर लोगों को सुरक्षित रहने और किसी प्रकार के अपराध की आशंका पर फौरन पुलिस को सूचना देने की बात कही।साथ ही पुराने लखनऊ और शहर के प्रमुख मंदिरों, मस्जिदों के लाउड स्पीकर की साउंड चेक की गई। सलाह दी गई कि मानक के अनुसार ही लाउड स्पीकर का साउंड रखें। डीसीपी सेंट्रल रवीना त्यागी ने बताया कि लखनऊ की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस टीम सुबह अपने–अपने क्षेत्र में निकली। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर शहर में लगे लाउड स्पीकर की ध्वनि सीमा चेक की गई। रास्तों पर तेज रफ्तार में बाइक चलाने वालों को हिदायत दी गई। टीम को ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश दिए गए। प्रमुख स्थानों की चेकिंग की गई। साथ ही मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया गया।

बिना अप्रूवल निजीकरण नही कर सकता प्रबन्धन

लखनऊसंवाददाता विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर चेताया है कि झूठे आंकड़ों और धमकी के बल पर पॉवर कार्पोरेशन प्रबंधन हजारों कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। संघर्ष समिति ने यह सवाल भी उठाया है कि आए दिन कर्मचारियों की सेवा शर्तों के बारे में मनगढ़ंत प्रोपेगेंडा कर रहे पॉवर कार्पोरेशन प्रबंधन ने बिना किसी अप्रूवल के निजीकरण का आर एफ पी डॉक्यूमेंट कैसे सर्कुलेट करना शुरू कर दिया है। साफ है यह सब झूठ का पुलिंदा है और बिजली कर्मचारी इससे भ्रमित होने वाले नहीं है।विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों राजीव सिंह, जितेन्द्र सिंह गुर्जर, गिरीश पांडेय, महेन्द्र राय,सुहैल आबिद, पी. के.दीक्षित, राजेंद्र घिल्डियाल, चंद्र भूषण उपाध्याय, आर वाई शुक्ला, छोटेलाल दीक्षित, देवेन्द्र पाण्डेय, आर बी सिंह, राम कृपाल यादव, मो वसीम, मायाशंकर तिवारी, राम चरण सिंह, मो0 इलियास, श्री चन्द, सरयू त्रिवेदी, योगेन्द्र कुमार, ए.के. श्रीवास्तव, के.एस. रावत, रफीक अहमद, पी एस बाजपेई, जी.पी. सिंह, राम सहारे वर्मा, प्रेम नाथ राय एवं विशम्भर सिंह ने आज जारी वक्तव्य में बताया कि निजीकरण के विरोध में कर्मचारियों के गुस्से को देखते हुए पावर कार्पोरेशन प्रबंधन एफ ए क्यू के नाम से मनगढ़ंत प्रश्नोत्तरी आए दिन जारी कर रहा है जिसके झांसे में बिजली कर्मी आने वाले नहीं हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के बाद कर्मचारियों की भारी संख्या में छंटनी और पदावनति होने वाली है। आउटसोर्स कर्मचारी तत्काल हटा दिए जाएंगे। निजीकरण के बाद यही आगरा और अन्य स्थानों पर हुआ है। संघर्ष समिति ने प्रबंधन को इस बारे में सार्वजनिक तौर पर या किसी भी न्यूज चौनल पर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि प्रबंधन संघर्ष समिति द्वारा उठाए जा रहे सवालों का कर्मचारियों के सामने जवाब दे तो दूध का दूध और पानी का पानी स्वतः साफ हो जाएगा। विडम्बना यह है कि आउट सोर्स कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन तक न देने वाला प्रबन्धन उन्हें निजीकरण के बाद के सब्जबाग दिखा रहा है। संघर्ष समिति ने पूछा कि पॉवर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा जारी की गई ताजा प्रश्नोत्तरी में आर एफ पी डॉक्यूमेंट जारी किया गया है । कार्पोरेशन प्रबंधन को यह बताना चाहिए की आर एफ पी डॉक्यूमेंट निविदा मांगने के पहले कैसे सार्वजनिक किया जा रहा है इसका आधार क्या है ? संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण की असली तस्वीर कर्मचारियों के सामने प्रस्तुत करने के लिए उड़ीसा और दिल्ली के कर्मचारी उत्तर प्रदेश आएंगे और विभिन्न स्थानों पर जाकर कर्मचारियों के बीच निजीकरण होने के बाद कर्मचारियों की छंटनी, सेवा शर्तें पूरी तरह प्रभावित होने और दुर्दशा के घटनाक्रम से सीधे कर्मचारियों को अवगत कराएंगे। संघर्ष समिति ने एक बार फिर कहा है कि पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन अपने पद का और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिजली व्यवस्था में सुधार या महाकुंभ की बिजली व्यवस्था कैसे और बेहतर बनाई जाए इन सवालों पर चर्चा करने के बजाय निजी कंपनी के प्रवक्ता की तरह निजी क्षेत्र की खूबियां बताने में और निजीकरण के विरोध में बोलने वाले कर्मचारियों को बर्खास्तगी की धमकी देने में व्यस्त है। संघर्ष समिति इन बातों से भलीभांति अवगत है और संघर्ष समिति ने इस मामले में विधिक कार्यवाही के लिए हाईकोर्ट के वकीलों का एक पैनल बना दिया है जो यथा समय विधिक करवाई सुनिश्चित करेगा और कर्मचारियों का कोई अहित नहीं होने देगा।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महाकुम्भ में प्रयागराज से वाराणसी के बीच 130 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे प्रयागराज-वाराणसी रेल ट्रैक और गंगा रेल ब्रिज का उद्घाटन
रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 08 दिसंबर को प्रयागराज के दौरे पर करेंगे परियोजनाओं का निरीक्षण

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के पहले भारतीय रेलवे ने सनातन संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र प्रयागराज और वाराणसी के बीच की यात्रा को और अधिक तेज और सुगम बनाने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा कर लिया है। डबल इंजन सरकार के मार्गदर्शन और प्रेरणा से प्रयागराज और वाराणसी के बीच के ट्रैक दोहरणीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। इस कार्य की महत्वपूर्ण कड़ी गंगा रेल ब्रिज का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है। महाकुम्भ के दौरान इस ट्रैक से ट्रेनों का परिचाल शुरू हो जाएगा। ट्रैक दोहरीकरण के बाद प्रयागराज से वाराणसी के बीच ट्रेनों के परिचालन की औसत गति 100 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा हो जाएगी। 08 दिसंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के निरीक्षण के बाद प्राधनमंत्री अपनी यात्रा के दौरान इस परियोजना का शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन

महाकुम्भ 2025 को दिव्य,भव्य, सुरक्षित और सुगम बनाने में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती। महाकुम्भ 2025 में देश के कोने–कोने से लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आने का अनुमान है। ऐसे में भारतीय रेलवे की भी महाकुम्भ 2025 को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसी दिशा में रेलवे ने वारणसी प्रयागराज रेल लाइन दोहरीकरण और गंगा रेल ब्रिज का काम पूरा कर लिया है। इस परीयोजना का निरक्षण कार्य ट्राली ट्रायल रन के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं 08 दिसंबर को करेंगे। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने प्रयागराज दौर पर महाकुम्भ के निर्माण कार्यों के निरीक्षण और उद्घाटन के साथ इस परियोजना का शुभारंभ भी करेंगे।प्रयागराज और वाराणसी के बीच रेल ट्रैक के दोहरीकरण हो जाने से इस रूट पर अब ट्रेनें 100 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेंगी। वंदे भारती जैसी अत्याधुनिक ट्रेन से प्रयागराज से वाराणसी के बीच की दूरी को एक से सवा घंटे में पूरा किया जा सकेगा।

गंगा रेल ब्रिज, सीएमपी रेल ओवर ब्रिज और झूंसी रामबाग डबल ट्रैक बनकर तैयार

गंगा रेल ब्रिज और प्रयागराज, वाराणसी रेल ट्रैक दोहरीकरण का कार्य भारतीय रेलवे के संगठन आरवीएनएल ने किया है। प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए आरवीएनएल के जीएम विनय अग्रवाल ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव 2003 में रखा गया था। लेकिन राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी और जमीन अधिग्रहण में समस्या होने के कारण इसका निर्माण कार्य रूका रहा। लेकिन डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से गंगा ब्रिज का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ और महाकुम्भ के पहले इससे ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। गंगा रेल ब्रिज प्रयागराज के दारागंज को झूंसी से जोड़ने का कार्य करता है। जो कि पुराने हो चुके आईजैट ब्रिज की जगह लेगा। साथ ही इस क्रम में प्रयागराज में सीएमपी डिग्री कालेज के पास रेल ओवर ब्रिज और झूंसी से रामबाग के बीच भी ट्रैक दोहरीकरण कर इस रेल लाइन से जोड़ दिया गया है। इस ट्रैक से प्रति दिन लगभग 200 ट्रेनें गुजरती हैं। इस ट्रैक के माध्यम से अब दिल्ली–कोलकाता, हावड़ा और प्रयागराज कोलकाता, प्रयागराज गोरखपुर और प्रयागराज पटना के मध्य ट्रेनों की रफ्तार को गति मिलेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रोड-सह-रेल निरीक्षण वाहन का निरीक्षण किया

प्रयागराज।रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली और रोड–सह–रेल निरीक्षण वाहन (आरसीआरआईवी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) श्री नवीन गुलाटी, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा तथा रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे व आरडीएसओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।श्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि व्यापक ट्रैक निगरानी के लिए सभी रेलवे जोनों में एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य ट्रैक निरीक्षण और रखरखाव में सुधार के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाना है। माननीय मंत्री ने ट्रैक रखरखाव के लिए ट्रैकमैन एवं अन्य रेलकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आईटीएमएस और आरसीआरआईवी के उपयोग से अब ट्रैकमैन के पास रियल टाइम डेटा तक पहुंच होगी, इससे उनका काम आसान, सुरक्षित और अधिक कुशल हो जाएगा।

महाकुंभ मेले में अर्जी वाले 81 फिट हनुमान जी उज्जैन कैंप का हुआ भूमिपूजन

देश और विदेश से आए हुए साधु संतों ने सनातन बोर्ड के गठन का निर्णय लिया
27 जनवरी को आयोजित होने वाली धर्म संसद में लगेगी मुहर

[redacted] होने वाले प्रयागराज महाकुंभ मेले में अर्जी वाले हनुमान 81 फीट उज्जैन कैंप का भूमिपूजन आज 5 दिसंबर को वैदिक मंत्रोच्चार से सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुंभ मेला में पूरे देश और विदेश से आए हुए साधु संतों ने सनातन बोर्ड के गठन

का निर्णय लिया। 27 जनवरी को धर्म संसद के रूप में एक विशाल संसद भी लगाई जाएगी। महाकुंभ मेला में भूमि पर 20 जनवरी से 2 फरवरी 2025 तक अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरीजी महाराज पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सानिध्य में महामृत्युंजय महायज्ञ होगा।

कुंभ मेला प्रभारी महंत आदित्य पुरी महाराज, सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि भूमिपूजन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी महाराज महाराज, प्रकाशानंदजी महाराज, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता दुर्गादास जी महाराज, निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत ओंकार गिरीजी महाराज, निरंजन अखाड़े की महामंडलेश्वर गुरु मां आनंदमई जी, उत्तरप्रदेश सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव प्रिंस सिंह बागी,प्रेम यादव, जितेंद्र यादव, विजय नारायण पांडे, मधु पांडे, विनय दुबे, विपिन दुबे, सनी गिरी सहित हजारों की संख्या में सनातन धर्मावलंबियों की उपस्थित में हुआ। भूमिपूजन दौरान समस्त संतों महंतों की मौजूदगी में सनातन बोर्ड के गठन पर भी चर्चा की गई। जिसमें तय किया

डेढ़ लाख पौधों से महाकुम्भनगर बन रहा स्पेशल हाईडेंसिटी आक्सीजन फारेस्ट

महाकुम्भ में एंट्री करते ही श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे 50 हजार खूबसूरत पौधे
सीएम के निर्देश पर 1.5 लाख पौधों से तैयार हो रहा अश्क्सीजन बैंक

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार स्पेशल हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट का आनंद मिलने जा रहा है। डेढ़ लाख पौधों से महाकुम्भनगर को इस तरह संवारा जा रहा है, जिससे देश विदेश से यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त प्राणवायु तो मिले ही, साथ ही प्रकृति की खूबसूरती देखकर इस बार का महाकुम्भ यादगार बन जाए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भनगर के प्रमुख चौराहों के साथ साथ यहां आने वाले प्रमुख राजमार्गों को भी प्राकृतिक रूप से सजाने संवारने का काम चल रहा है।

10 दिसंबर तक पूरा होगा पौधारोपण का 100: कार्य

डीएफओ प्रयागराज अरविंद कुमार यादव बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस बार के महाकुम्भ को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। इसके तहत कुल 149,620 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। जिसमें 137,964 पौधे अभी तक लगाए भी जा चुके हैं। 10 दिसंबर तक महाकुम्भ में पौधारोपण का 100 प्रतिशत कार्य पूरा हो जाएगा। सबसे खास बात तो यह है कि महाकुम्भ में एंट्री करते ही श्रद्धालुओं का स्वागत 50 हजार खूबसूरत पौधे करेंगे। जिनकी सुंदरता देखकर देशी विदेशी पर्यटक खासे उत्साहित नजर आएंगे। हरित महाकुम्भ को तैयार करने में वन विभाग की टीम युद्धस्तर की तैयारी कर रही है। पूरे महाकुम्भनगर में हर सड़क हर चौराहे पर खूबसूरत पौधे लगाने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले ही महाकुम्भनगर पूरी तरह से हरा भरा नजर आएगा।

प्रवेश और निकास मार्गों को पौधों से सजाया जा रहा

प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि महाकुम्भनगर के अंदर तथा शहर को जोड़ने वाले प्रवेश और निकास मार्गों को शोभाकर पौधों से सजाया जा रहा है। यहां थीमैटिक रोपण कर 50 हजार सीमेंट गार्ड, 10 हजार गोल आयरन ट्री गार्ड, 2500 चौकोर आयरन गार्ड सहित तमाम कार्य किए जा रहे हैं। सरस्वती हाईटेक सिटी के 20 हेक्टेयर में ऑक्सीजन बैंक और नगर वन का आनंद

सरस्वती हाईटेक सिटी में एक हाईडेंसिटी ऑक्सीजन फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह ऑक्सीजन बैंक और नगर वन के रूप में कार्य करेगा। सरस्वती हाइटेक सिटी के अंतर्गत 20 हेक्टेयर में 87120 पौधे लगाए जा रहे हैं, जो देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे।

18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में सजाए जा रहे पौधे

योगी सरकार के निर्देश पर महाकुम्भनगर में 18 मार्गों पर 190 किलोमीटर के दायरे में करीब 50 हजार पौधे लगाए जाने का काम चल रहा है। महाकुम्भनगर के शहरी क्षेत्र में 2500 पौधे लगाए जा चुके हैं। 50 हजार पौधे प्रमुख रूप से प्रयागराज–अयोध्या मार्ग, प्रयागराज–वाराणसी मार्ग के साथ ही लखनऊ, मिर्जापुर, रीवा और बांदा समेत 18 मार्गों पर लगाने का काम चल रहा है।

गंगा तटीय क्षेत्र में लगाए जा रहे 10 हजार पौधे

गंगा तटीय क्षेत्र में 10 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। विशेष तौर पर झूंसी, अरैल और फाफामऊ के किनारे, पक्का घाट पर सजावट का काम चल रहा है। महाकुम्भनगर के शहरी क्षेत्र, पक्का घाट से लेकर हाईटेक सिटी तक करछना रेंज में विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पौधे लगाए जा रहे हैं जिसमें गोल्ड मोहर, कचनार और अमलतास के पौधे करीब ढाई हजार की संख्या में लगाए गए हैं। गंगा नदी के किनारे पूरे तटीय क्षेत्र को हरा भरा किया जा रहा है। हरित महाकुम्भ के अंतर्गत महाकुम्भनगर में पौधारोपण के तमाम विकास कार्य चल रहे हैं। गंगा नदी के किनारे खासकर बाएं तटीय क्षेत्र में अर्जुन के 3000 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, प्रयाग व सोरांव क्षेत्र के साथ संगम गंगा यमुना के दक्षिणी तट पर गोल्ड मोहर और कंजी के पौधे लगाए जा रहे हैं। करछना रेंज में 2000 पौधे लगा रहे हैं। साथ ही गंगा नदी के किनारे तटीय क्षेत्र, झूंसी, ककरा–लीलापुर संपर्क मार्ग फूलपुर मेंअर्जुन और कचनार के 1700 पौधे लगाए जा रहे हैं। वहीं, फाफामऊ–सहसो–हनुमानगंज मार्ग व प्रयागराज–गोरखपुर मार्ग–फूलपुर मार्ग पर अर्जुन पीपल के 1800 पौधे लगाए जा रहे हैं।

श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी का भूमि पूजन आज

प्रयागराज। पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी का भूमि पूजन कल 6 दिसंबर को प्रातः काल 7.15 बजे से प्रारंभ होगा। इस आशय की जानकारी देते हुए दुकान जी ने बताया कि त्रिवेणी संगम संतों की तपोभूमी है।जो सन्त महात्माओ के आगमन से भक्ति मय हो रहा हमारे सनातन धर्म धर्म का सर्वोच्य पर्व पूर्ण कुम्भ महापर्व श्रीविक्रम सम्वत 2081माघ मास तदानुसार ई, 2024–2025 मे भगवान श्रीगुरू कपिल महामुनि जी के कृपा से बडे हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जायेगा जिसकी पहली तिथि कुम्भ छावनी भूमि पूजन श्री शुभ वि,सं 2081 मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी दिनांक 6-12-2024 को सभी अखाड़े के सन्त महन्त और बाहर से आने वाले सन्त महात्मा और शहर के भक्तो के आगमन के साथ प्रातःकालीन 7-15 से 9-30 के मध्य विद्वत आचार्य के मंन्त्रोचारण शंख ध्वनी के साथ भूमि पुजन विधिवत होगा सचिव महन्त यमुना पुरी जी के द्वारा उपस्थिती, सचिव रविन्द्रपुरी जी,सचिव विश्वनाथ गिरि जी,सचिव कैलास भारती,सचिव रमेश गिरि जी,सचिव शिवनारायण पुरी जी की उपस्थिती मे श्रो पंचायती अखाडा महानिर्वाणी के अनेको सन्त महात्माओ रहेगे यह जानकारी प्रेस को दुकानजी ने दी।

कुम्भ नगरी में पहली बार महाकुम्भ मेले में स्थापित होगा अलीगढ़ का शिविर

धार्मिक प्रचार के साथ जनपद के श्रद्धालुओं की सेवा शिविर का उद्देश्य रू आचार्य गौरव शास्त्री

अलीगढ। सनातन आस्था से जुड़े विश्व स्तरीय महामेला महाकुम्भ बारह वर्षों के बाद देश में तीर्थराज नाम से प्रसिद्ध प्रयागराज जनपद स्थित पावन त्रिवेणी संगम पर लगने जा रहा है।देश एवं विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यहाँ किया जाने वाला संगम स्नान के साथ साधु सन्यासी एवं नागाओं द्वारा शाही स्नान की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है।देश भर में फैले महात्माओं के अखाड़ों हेतु रुकने के लिए भी प्रदेश सरकार द्वारा भूखंड आवंटन सहित अनेकों प्रायोजन किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अलीगढ मंडल से भी पहली बार कुम्भ मेले में श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से वैदिक ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान में अस्थाई कैम्प एवं कार्यालय का आयोजन किया जा रहा है।

वैदिक ज्योतिष संस्थान के सचिव आचार्य गौरव शास्त्री ने बताया कि विगत वर्षों में जनपद के धार्मिक श्रद्धालुओं की स्थिति को देखते हुए इस बार महाकुम्भ 2025 में परम पूज्य स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज के निर्देशन में शहर एवं जनपद का प्रतिनिधित्व करते हुए एक शिविर का आयोजन किया जाएगा। महाकुम्भ मेले में आने वाले दर्शनार्थियों के लिए अनेकों प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था,रुकने की व्यवस्था से लेकर संगम स्नान सहित तीर्थ स्थलों में दर्शन को लेकर भी काफी परेशानियों को झेलते हुए हुए क्षेत्र के श्रद्धालु भोजन आदि की भी समस्या से जूझते थे। इन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से वैदिक ज्योतिष संस्थान के द्वारा लगाए जाने वाले इस शिविर में अलीगढ जनपद से जाने वाले समस्त श्रद्धालुओं को उचित ठहरने,भोजन एवं अन्य सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। इसके साथ ही नित्य प्रति श्रीमदभागवत महापुराण एवं महायज्ञ जैसे धार्मिक आयोजनो की त्रिवेणी बहायी जाएगी। उन्होंने बताया कि भूमि आवंटन से जुडी समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है,जिसके तहत आगामी कुछ दिनों में वैदिक ज्योतिष संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा वार्ता कर कार्य संपादन समिति का गठन किया जाएगा।

आचार्य गौरव शास्त्री ने शहर की समस्त संस्थाओं एवं धर्मानुरागियों से अपील करते हुए कहा कि सनातन धर्म के प्रचार एवं प्रसार में सभी हिन्दुओं के आपसी सहयोग की उपेक्षा है अतः इस पुण्य के कार्य में आम जनमानस की सेवा हेतु धर्म के प्रचार प्रसार को आगे आकर अपनी सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहायता आवश्य करें।

पुण्यतिथि पर कम्बल वितरित किया गया

जौनपुर। मड़ियाहूँ ब्लॉक के बरौली गाँव के निवासी अरविन्द यादव ने इस साल भी अपने दादी और दादा की पुण्यतिथि पर असहाय एवं जरूरत मंद लोगों को कम्बल वितरण किया और पेड़ बाँटे । मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजवादी नेता राजेन्द्र बहादुर यादव और युवा यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश यादव के हाथों कम्बल व वृक्षों का वितरण किया गया । इस मौके पर युवा यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश यादव ने कहा कि ठण्ड का मौसम गरीब लोगों के लिए बहुत ही तकलीफ देह होता है । गरम कपड़ों के अभाव में बहुत सारे लोगों को अनायास ही अपने जीवन से भी हाथ धोना पड़ जाता है । इसलिए ठण्डी के मौसम में हर सक्षम व्यक्ति को इसी तरह अपने आसपास रहने वाले गरीब व जरूरत मंद लोगों को गरम कपड़ों का दान करना चाहिए ताकि कोई भी व्यक्ति ठण्ड के कारण न मरने पाये । इसी के साथ ही जैसे जैसे ठण्ड बढ़े बच्चों और बुजुर्ग लोगों को विशेष तौर पर इससे बचा कर रखना चाहिए क्योंकि ठण्ड का असर इनके ऊपर ज्यादा पड़ता है । धर्मेन्द्र यादव, अनिल यादव, अमरनाथ यादव,राजेश यादव , राम यश यादव, लालजी यादव, दीना, विजय,अलगू सुभाष प्रधान,बृजमोहन प्रधान,जयसिंह,रामधनी, गोरख कोटेदार, जंगबहादुर,श्याम बहादुर आदि मौजूद रहे ।

पीएम मोदी के आगमन पर फेस्टिव मूड में नजर आएगा पूरा महाकुंभ मेला क्षेत्र

पीएम मोदी की विजिट के दौरान सभी विभागों को अपने दफ्तरों को सजाने के दिए गए निर्देश

महाकुम्भ नगर। पीएम मोदी 13 दिसंबर को महाकुम्भ 2025 की तैयारियों का जायजा लेने और परियोजनाओं का लोकार्पण करने महाकुम्भनगर और प्रयागराज आ रहे हैं। उनके आने से पूर्व स्वयं सीएम योगी स्वयं 7 दिसंबर को सभी तैयारियों का जायजा लेंगे। पीएम मोदी की विजिट के दौरान महाकुम्भनगर और प्रयागराज को इस तरह से सजाने की योजना है, जैसे किसी त्योहार के समय लोग अपने घरों को सजाते हैं। इसी क्रम में सभी विभागों को अपने दफ्तरों और इमारतों का सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इमारतों को फसाड लाइटिंग से रौशन किए जाने की भी योजना है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों और रोड्स को भी दुल्हन की तरह सजाया जाएगा। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की ओर से सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, जिन परियोजनाओं का पीएम मोदी लोकार्पण करेंगे, उन्हें भी समय से पूर्व पूर्ण किए जाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए हैं।

स्वच्छ और हरित महाकुम्भ की परिकल्पना को किया जाएगा साकार

पीएम मोदी की विजिट के संबंध में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि सभी तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। इन्हें निर्धारित समयसीमा पर पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री जी के आने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का भी भ्रमण 7 दिसंबर को होना है। सीएम के निर्देशों के क्रम में सभी कार्य कराए जा रहे हैं। सीएम स्वयं इन सभी कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की विजिट के दौरान पूरा शहर स्वच्छ और हरित महाकुम्भ की परिकल्पना को साकार करता नजर आएगा। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार सभी विभागों को अपने–अपने दफ्तरों को शोभनीय बनाते हुए उसमें फसाड लाइटिंग और उसका यथासंभव सौंदर्यीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में भी काम जोर–शोर से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रमुख चौराहों, रोड्स और पार्कों को भी सजाया जाएगा।

पूरी तत्परता से जुटे हैं विभाग और अधिकारी

मंडलायुक्त ने बताया कि पीएम की विजिट को लेकर सभी विभाग और अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। पीडब्ल्यूडी के द्वारा सभी महत्वपूर्ण रोड्स का रिन्यूअल तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। सभी जंक्शंस और सड़क सौंदर्यीकरण का कार्य प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी और पीडब्ल्यूडी द्वारा समय पर पूर्ण कर लिया जाएगा। नगर निगम की ओर से स्ट्रीट लाइटिंग और थीमैटिक लाइटिंग का कार्य किया जा रहा है। विद्युत विभाग की ओर से सभी पावर केबल्स को बिछाने का काम भी तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीएंडडीएस द्वारा गेट्स और इंस्टॉलेशन वर्क कंप्लीट कर लिया जाएगा। कॉरिडोर्स के काम को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे समय पर पूरा कर लिया जाएगा। घाटों पर स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए दिन रात काम हो रहा है।

7 को सीएम करेंगे खोया पाया केंद्र और पब्लिक एकमोडेशन का उद्घाटन

पीएम मोदी की विजिट से पहले 7 दिसंबर को सीएम योगी महाकुम्भनगर और प्रयागराज में तैयारियों का जायजा लेंगे और खोया पाया केंद्र व सेक्टर–1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन का उद्घाटन भी करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी 7 दिसंबर को अपनी विजिट के दौरान सर्किट हाउस में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यहीं पर वह महाकुम्भ 2025 के कार्यों की समीक्षा बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इसके अतिरिक्त वह अलोपीबाग फ्लाई ओवर एवं अलोपीबाग रोड का निरीक्षण करेंगे। प्रयागराज मेला क्षेत्र के सेक्टर–1 में स्थापित पब्लिक एकमोडेशन और परेड क्षेत्र में खोया पाया केंद्र का उद्घाटन करने के साथ ही वह पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों का मार्गदर्शन भी करेंगे। इसके अतिरिक्त सीएम अरैल बांध रोड, त्रिवेणी पुष्प, फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट नैनी एवं एसटीपी नैनी के साथ ही शिवालय पार्क का भी निरीक्षण करेंगे।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने की प्रचार प्रसार हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा

प्रयागराज। प्रयागराज में आगामी महाकुंभ–2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्चस्तरीय दल दो दिवसीय दौरे पर 4 और 5 दिसंबर को प्रयागराज में रहा। जिसमें प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी,पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक धीरेंद्र कुमार ओझा,दूरदर्शन की महानिदेशक कंचन प्रसाद,आकाशवाणी की महानिदेशक प्रज्ञा पालीवाल, दूरदर्शन समाचार की महानिदेशक प्रिया कुमारी समेत मंत्रालय के कई अधिकारी शामिल रहे।इस दल ने महाकुंभ मेले के आयोजन में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न मीडिया इकाइयों आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो

द्वारा मेले के व्यापाक प्रचार प्रसार हेतु की जा रही तैयारियों का जायजा लिया एवं आवश्यक निर्देश दिये।दल ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन आज कुंभ मेला क्षेत्र का भ्रमण किया तथा मेला क्षेत्र में मंत्रालय की मीडिया इकाइयों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।इससे पहले कल सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत एवं मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के साथ भी बैठक की जिसमें मंत्रालय द्वारा कुंभ मेले के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु मंत्रालय द्वारा किये जा रहे कार्यो के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया।महाकुंभ 2025 के लिए व्यापक तैयारियां जारी हैं, और इस दौरे को आयोजन की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मंत्रालय के अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि मीडिया और संचार व्यवस्थाएं आयोजन की वैश्विक पहुंच को प्रभावी बनाने में सहायक होंगी।

जगद्गुरु स्वामी योगेशवराचार्य महाराज प्रयागराज में पधारे

महाकुम्भ नगर।अतुलेश्वर धाम दिल्ली के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी योगेशवराचार्य जी महाराज प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र में पधार चुके हैं।श्री महराज महाकुंभ मेले में शिविर लगाकर मेला पयन्त अन्नक्षेत्र सहित अन्य धार्मिक हम कार्यक्रमों का संचालन करेंगे।इस संबंध में श्री महाराज ने बताया कि उनका शिविर माघ मेले में स्थापित किया जाता है।

बुद्धिजीविता बनाम व्यक्तिनिर्माणः संघ की दूरगामी दृष्टि

शिवेश प्रताप ।

संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक "सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्" कहकर ऐसा शुद्ध शील–चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये।हाल ही में आजतक के साहित्यिक मंच पर पत्रकार राहुल देव और कवि नरेश सक्सेना ने एक गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ष्आरएसएस सौ साल से बौद्धिक कर रहा है, किंतु आज तक ऐसा कोई बुद्धिजीवी नहीं पैदा कर पाया, जिसका नाम संघ के बाहर कोई जानता हो।ष यह सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। ऐसा कह इस कवि–पत्रकार द्वय ने अपने वैचारिक दिवालियेपन से समाज का परिचय कराया और यह बताया की ये बेचारे संघ की रीति और नीति से कितने अनभिज्ञ हैं। इन्हें यह समझना चाहिए की वामपंथ की तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) खालिस बुद्धिजीवी पैदा करने की फैक्ट्री नहीं है। संघ का उद्देश्य वास्तविक चरित्र–व्यक्ति निर्माण है, न कि बुद्धिजीविता से कुण्ठित भीड़ का सृजन। संघ न तो व्यक्ति को केवल बुद्धि आधारित जीवन जीने की शिक्षा देता है और न ही ऐसी किसी प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। अपनी प्रार्थना में संघ का स्वयंसेवक "सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्" कहकर ऐसा शुद्ध शील–चारित्र्य मांगता है जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये। संघ का उद्देश्य बुद्धि को बढ़ावा देना नहीं है, संघ विचार को बढ़ावा देता है। "विजेत्री च नः संहता कार्यशक्तिः" कहकर हम विजयशालिनी संघठित कार्यशक्ति के द्वारा "परं वैभवं नेतुमेतत् स्वराष्ट्रं" यानि राष्ट्र के वैभव को उच्चतम शिखर पर पहुँचाने का सामर्थ्य मांगते हैं। संघ का हर कार्य आत्मभाव, समर्पण और त्याग पर आधारित है। संघ व्यक्ति निर्माण और चरित्र निर्माण का मंच है। इसका लक्ष्य हर स्वयंसेवक को भारत माता की सेवा के लिए तैयार करना है। संघ के लिए बुद्धिजीविता साध्य नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों को तैयार करने का माध्यम है।

आज के समाज में बुद्धिजीविता को एक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन यह समझना आवश्यक है कि बुद्धिजीविता केवल क्षणिक परिवर्तन ला सकती है। इसके विपरीत, व्यक्ति निर्माण का प्रभाव दीर्घकालिक और समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक होता है। संघ बुद्धिजीविता की अल्पकालिक चमक के बजाय व्यक्ति निर्माण के दीर्घकालिक प्रभाव में विश्वास रखता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इसी व्यक्ति निर्माण की दिशा में पिछले सौ वर्षों से कार्य कर रहा है।पूर्व राज्यपाल आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री जी कहा करते थे की बुद्धिजीवी का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो अपनी बुद्धि के आधार पर जीविका चलाता हो। जब बुद्धि के आधार पर जीविका चलाने को महिमामंडित किया गया, तब समाज में कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुईं। बीते दशकों में यह सत्य भी होता दिखाई दिया है, डॉक्टरों ने मरीजों को केवल पैसा कमाने का साधन मान लिया, शिक्षकों ने कक्षाओं से गायब होकर ष्अर्बन नक्सलष बनने का रास्ता चुना और छात्रों ने ष्टुकड़े–टुकड़े गैंगष बनाकर समाज में विघटनकारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। वामपंथी बुद्धिजीविता ने समाज को हिंसा, विभाजन और अशांति के अलावा कुछ नहीं दिया। यह बुद्धिजीविता पूंजीवादी नेक्सस का हिस्सा बनकर समाज को खोखला करती है। वामपंथ ने श्रमिकों को ष्बुद्धिजीवीष बनने का सपना दिखाया, लेकिन इसके परिणामस्वरूप कलकत्ता से कानपुर तक औद्योगिक संयंत्र बंद हो गए। श्रमजीवी लोगों को दाने–दाने का मोहताज कर दिया। इस विचारधारा ने परिवार और सामाजिक मूल्यों को कमजोर किया और देशभक्ति व सांस्कृतिक चेतना पर भी आघात किया।

राहुल देव और नरेश सक्सेना को याद दिलाना चाहता हूं कि आज वह जिस बुद्धिजीविता का महिमा मंडन कर रहे हैं इस वामपंथी बुद्धिजीविता के राजनैतिक गढ़ त्रिपुरा को कुछ वर्ष पहले संघ के चार समर्पित स्वयंसेवकों श्री श्यामलकांति सेनगुप्ता, श्री दीनेंद्र डे, श्री सुधामय दत्त तथा श्री शुभंकर चक्रवर्ती ने अपने प्राणोत्सर्ग से उखाड़ फेंका। इन चारों को अपहरण 6 अगस्त 1999 को त्रिपुरा के कंचनपुर के वनवासी कल्याण आश्रम के छात्रावास से हुआ था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। आपकी सोने की बनी बुद्धिजीवी लंका को व्यक्तिनिर्माण की पूंछ ही जलाकर भस्म करती है। त्रिपुरा ने व्यक्ति निर्माण से आपकी बुद्धिजीविता को उत्तर दिया, आगे और भी नाम जुड़ेंगे।वामपंथी और पूंजीवादी नेक्सस आज इतना मजबूत हो चुका है कि पूरी दुनिया इसके प्रभाव में है। राष्ट्र की संकल्पना में बुरु तरह विफल वामपंथी बुद्धिजीविता ने अब अपना रूप बदल समाज में भ्रम फैलाकर परिजीवी के रूप में पूंजीवाद को प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका से भारत तक बुद्धिजीविता ने पूंजीवाद की दासी बनकर राजनीति और समाज में अपनी जगह बनाई। भारत से लेकर अमेरिका तक राष्ट्रभाव का उत्थान इन परिजीवियों के लिए संकट के रूप में खड़ा हुआ है इसलिए ये इतने बेचौन हैं।राहुल देव और नरेश सक्सेना का यह सवाल कि ष्संघ ने कोई बुद्धिजीवी क्यों नहीं पैदा किया?ष उचित है और इस तरह से वामपंथी गिरोह के हरावल दस्ते के दो बेरोजगार सेनापति आज जब अपने पुराने बुद्धिजीवी अखाड़े में संघ को ललकार रहे हैं तो यह नास्टैल्जिया उनकी बेचारगी को प्रगट कर रहा है। राहुल देव और नरेश सक्सेना जी काश आप इस विषय पर भी विचार करते की जिस देश को तोड़ने के लिए आने वैचारिक पूर्वज लगे रहे और पाकिस्तान बनवाया तो उस पाकिस्तान में आपका बुद्धिजीवी अवशेष क्यों नहीं मिलता?पुनः एक बार कहना चाहूँगा संघ बुद्धिजीवी पैदा करने का मंच नहीं है। यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक यज्ञ है जिसमें सौ वर्षों से अनगिनत प्रचारकों, स्वयंसेवकों नें "मैं नहीं, तू ही" कह–कह कर स्व जीवन की आहुति दे दिया है। संघ का उद्देश्य व्यक्ति को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए तैयार करना है। संघ के चरित्रबल और कार्यों ने यह सिद्ध किया है कि समाज का उत्थान बुद्धिजीविता से नहीं, बल्कि नैतिकता और त्याग से होता है। वामपंथी बुद्धिजीविता जहां समाज में विभाजन और अशांति का कारण बनी है, वहीं संघ ने अपने सौ वर्षों के साधना से शांति, समरसता और राष्ट्रभक्ति का दीप जलाया है।

सम्पादकीय

कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट

कॉप –29 पिछले दिनों समाप्त हो गया जिसकी आर्थिकी बहुत कुछ पेट्रोल के उत्पादन पर निर्भर है। इसने कॉप–29 में सारी आलोचनाओं के बीच भी तेल–गैस क्षेत्र का बचाव जारी रखा हुआ है। कॉप–28 भी ऐसे देश में ही हुआ था।दूसरी तरफ, भारत और चीन तथा अमेरिका कोयले को अपने आर्थिक विकास का इंजन बनाए हुए हैं। इसको वो निकट भविष्य में छोडने वाले भी नहीं हैं किंतु जलवायु संकट के बीच अधिकांश देशों की ही तरह यह यथार्थ उन्हें स्वीकारना होगा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बिरादरी से अलग–थलग होने से बचने के लिए देर–सबेर उन्हें कार्बन न्यूट्रल होना ही पड़ेगा।

यूरोपियन संघ, जापान, कोरिया गणतंत्र सहित 110 से ज्यादा देशों ने 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की वचनबद्धता व्यक्त की हुई है। चीन 2060 तक ऐसा कर लेगा। भारत 2070 तक ही ऐसा कर पाएगा। यूरोपियन यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रहा है, जिनके निर्माण में ग्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है। ऐसे में मजबूरन ही सही विभिन्न देश अपने–अपने यहां जीवाश्म ईंधन के उपभोग, उपयोग, उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं।

डिकाबरेनाइजेशन या कार्बनरहित होना इसलिए भी आवश्यक है कि वैंकि तापक्रम बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेलसियस पर ही बांधने की महती जरूरत के बाद भी कोयला समेत फोसिल ईंधनों के लगभग निर्बाध उपयोग की छूट सभी चाहते हैं। हालांकि आईपीसीसी का मानना है कि पृथ्वी का गरम होना कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के आनुपातिक होता है। वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता बढ़ती जा रही है। अमेरिका की संस्था एनओएए के अनुसार मई, 2023 में वायुमंडल में मासिक कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता रिकार्ड ऊंचाई पर पूर्व औद्योगिककाल की सघनता से पचास प्रतिशत ज्यादा थी। विश्व में 85 प्रतिशत ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों कोयला, पेट्रोलियम और गैस से प्राप्त की जाती है। पेट्रोलियम और गैस से जुड़े उद्योग तो हैं किंतु लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, बिजली, हाइड्रोजन, उर्वरक, रसायन के उद्योग भी कार्बन इंटेंसिव हैं। स्टील, सीमेंट, रसायन क्षेत्र के उद्योगों से वायुमंडल में करीब बीस प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पहुंचता है। बड़ी–बड़ी उत्सर्जन कटौतियों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड को तो वायुमंडल से हटाना ही पड़ेगा परंतु पेड़ों के जिम्मे ही कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने का काम सौंप कर हम जलवायु संकट की व्यापकता और गहनता का सामना नहीं कर सकते। वृक्ष चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग फोटोसिंथेसिस और बायोमास बढ़ाने में करते हैं, इसलिए वे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड हटाने में प्रभावी रहते हैं। इनसे जमीन के भीतर कार्बन भंडारण भी होता है। बहुत ज्यादा बायोमास बढ़ाना पड़ेगा। जंगलों में आग लगने जैसी घटनाएं भी होती हैं। हालांकि बड़ी–बड़ी कंपनियां, एयरलाइंस आदि भी जंगलों से कार्बन कैप्चर का ही सहारा ले रही हैं। अपनी ग्रीनहाउस गैसों के एमिशन को न्यूट्रलाइज करने यानी नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए इसी का सहारा ले रही हैं।2023 में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए घोषित कॉप–28 के मनोनीत अध्यक्ष यूएई के उद्योग एवं एडवांस टैक्नोलॉजी मंत्री डॉ. सुल्तान–अल–जबेर का बिना लाग लपेट यह कहना रहा कि जलवायु गणित जोडजाड़ से कुछ खास नहीं होता, यदि उसमें कार्बन कैप्चर की प्रक्रियाएं शामिल नहीं हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग भी गर्मी कम करने में कारगर नहीं हो सकते। 11 मई, 2023 को 1500 से ज्यादा वैंकि पॉलिसी निर्माताओं, इंडस्ट्रियल लीडर्स, इनोवेटर्स को यूएई क्लाइमेट टेक कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था रू हमें तेजी से उन तकनीकी समाधानों को ढूंढना होगा जो आर्थिकी को डिकाबरेनाइज करें। उत्सर्जनों को आईपीसीसी रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक कम से कम 43 प्रतिशत कम करें।' बाइडेन प्रशासन ने भी अमेरिका के पावर प्लांटों के ऑपरेटर्स को साफ निर्देश दिया है कि उन्हें उत्सर्जन रोकने के उपाय करने ही होंगे। अमेरिका के जलवायु राजदूत केरी भी चेतावनी भरे लहजे में कह चुके हैं कि समय आ गया है कि ऐसे तेल व गैस उत्पादनकर्ता, जो कहते हैं कि उन्होंने वो तकनीकी महारथ हासिल कर ली है जिससे उनके जीवाम ईंधन निकालने व उसका उपभोग करने में दुनिया की गरम होने की स्थितियां और नहीं बिगड़ेंगी, सिद्ध करें कि ऐसी तकनीकें किफायती दर पर व्यापक स्तर पर उपयोग में लाई जा सकती हैं व तेजी से जलवायु आपदा को टाल भी सकती हैं। वहां लिक्विड नेचुरल गैस के उत्पादक भी दावा कर रहे हैं कि डिकाबरेनाईजेशन तकनीकों में भारी निवेश कर नेचुरल गैस का ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करते हुए जीरो ग्रीन हाउस इमिशन तक पहुंचेंगे। अमेरिका में कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में पावर प्लांटों से 31 प्रतिशत का उत्सर्जन होता है।कार्बन कैप्चर टैक्नोलॉजी के आलोचक मानते हैं कि इसे जलवायु संकट को कम करने के विस्त औजार के रूप में नहीं उपयोग किया जा सकता। यह कार्बन फेजआउट का विकल्प नहीं हो सकती। जीवाश्म ईंधनों का उपयोग तो रुकना ही चाहिए। दुनिया को 2050 तक कार्बन न्यूट्रल बनाने की अपरिहार्यता को वक्त–वक्त पर संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव गुटरेस ने दोहराते हुए कहा है कि हर देश, शहर,वित्तीय संस्थान–कंपनी को 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की जरूरत है। नवम्बर, 2020 में उन्होंने सचेत किया था कि गरम होती गैसों का उत्सर्जन कम करने की दौड़ में हम फिनिशिंग लाइन के कहीं भी नजदीक नहीं हैं। हालांकि वे आशावान भी थे कि जो देश वैंकि 65 प्रतिशत से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन व प्रतिशत आर्थिकी के लिए जिम्मेदार हैं वे कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट कर लेंगे किंतु जी20 के देशों, जो 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रदूषण के जिम्मेदार हैं, को राह दिखानी चाहिए।

ओली व यून सुक की जोखिम भरी सियासत

Hkkरत के पड़ोसी देश नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चौथी बार गद्दी संभालने पर नयी परम्परा डाली। आमतौर पर वहां के पीएम पहली राजकीय यात्रा भारत की करते थे लेकिन वह विस्तारवादी चीन पहुंच गये। चीन के इरादे अच्छे न देखकर ही भूटान के राजा भारत की बार–बार यात्रा कर रहे हैं। उधर, दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक येओल ने उत्तर कोरिया से डाराने के नाम पर विपक्ष को कुचलने का प्रयास किया। इससे जनता में आक्रोश फैल गया है। हालात ये हैं कि राष्ट्रपति यून सुक ने खुद को अपने आवास में कैद कर रखा है।

भारत का पड़ोसी देश भूटान बीते कुछ समय से बार–बार नई दिल्ली के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। भूटान के साथ भारत का रिश्ता बेहद खास है। दोनों मुल्क सदियों से भाईचारे के साथ रहते आ रहे हैं। लेकिन, बीते कुछ वर्षों में चीन की विस्तारवादी नीतियों की वजह से दोनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चीन की विस्तारवादी नीति से भूटान को बचाने की जिम्मेदारी भारत की है। बीते कुछ समय में भारत और चीन के रिश्तों में बदलाव का असर भूटान पर भी पड़ना लाजिमी है। ऐसे में भूटान के राजा और वहां के प्रधानमंत्री की बार–बार हो रही भारत यात्रा को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इस बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन के दौर पर हैं। इस साल चौथी बार नेपाल के पीएम बने ओली की यह पहली विदेश यात्रा है। आमतौर पर नेपाल के पीएम अपना पहला विदेश दौरा भारत से करते आए हैं लेकिन ओली इस परंपरा को तोड़ते हुए बीजिंग पहुंच गए हैं। इस दौरे पर उन्होंने चीन के साथ कई बड़े समझौते किए हैं। इस कारण नेपाल और भूटान वाले इलाके में कुछ होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि सदियों से नेपाल और भूटान भारत के प्रभाव वाले क्षेत्र हैं लेकिन, चीन की विस्तारवादी नीति में नेपाल चीन की ओर झुकता चला जा रहा है। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामगियेल वांगचुक 5 दिसम्बर को फिर नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान वांगचुक पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी उनसे मुलाकात करेंगे। करीब 15 दिन पहले ही भूटान के प्रधानमंत्री तशेरिंग तोबगे नई दिल्ली आए थे। दरअसल, 1949 में भारत और भूटान के बीच हुए एक खास समझौते की वजह से पड़ोसी देश अपनी विदेश और रक्षा नीति में भारत से सलाह लिए बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। इस बीच चीन भूटान के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करना चाहता है। अभी तक भूटान और चीन के बीच कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। चीन, भूटान के साथ जल्द से जल्द अपना सीमा विवाद भी सुलझाना चाहता है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच कई दौर की वार्ता चुकी है लेकिन, इस पूरी कवायद में भारत की भूमिका काफी अहम है। चीन और भूटान के बीच सीमा विवाद से सीधे तौर पर भारत प्रभावित होता है। सीमा पर कई ऐसी जगहें हैं जो ट्राईजंक्शन है। वहां तीनों देशों की सीमा लगती है। ऐसे में पूरा इलाका बेहद संवेदनशील हो जाता है।

उधर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने टेलीविजन पर अपने संबोधन के दौरान देश में मार्शल लॉ की घोषणा की और उत्तर कोरिया समर्थक ताकतों को खत्म करने और संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने का संकल्प जताया। दक्षिण कोरिया में 3 दिसम्बर रात को अचानक से मार्शल लॉ लगने के बाद वहां के हालात तेजी से बदल गए। सियोल में नेशनल असेंबली के ऊपर सेना के हेलीकॉप्टर को उड़ते देखा गया। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगने के बाद राजधानी सियोल में हर जगह सेना नजर आने लगी। सड़क से लेकर संसद तक को सेना ने अपने कंट्रोल में ले लिया। इसी के मद्देनजर नेशनल असेंबली के बाहर मिलिट्री पुलिस बाइक को देखा जा सकता है। विपक्ष पर संसद पर हावी होने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और देश विरोधी गतिविधियों के साथ सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया गया। जैसे ही राष्ट्रपति यून सुक येओल ने देश में इमरजेंसी मार्शल लॉ लगाने का ऐलान किया, वहां की जनता में आक्रोश फैल गया सैनिकों ने सियोल में स्थित दक्षिण कोरियाई संसद नेशनल असेंबली कैम्पस में घुसने की कोशिश की।

माना जाता है कि किम जोंग से डराकर तानाशाही के रास्ते पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति निकल चुके थे। मगर संसद के मजबूत इरादे के सामने उनकी दाल नहीं गली। इसके बाद राष्ट्रपति को फैसला पलटने के लिए झुकना पड़ा। राष्ट्र के नाम अपने विशेष संबोधन में राष्ट्रपति यून सुक येओल ने कहा, 'कुछ देर पहले ही नेशनल असेंबली से आपातकाल हटाने की मांग की गई थी। हमने मार्शल लॉ के तहत तैनात सेना को वापस बुला लिया है। हम नेशनल असेंबली के अनुरोध को स्वीकार करते हैं और कैबिनेट की बैठक के जरिए मार्शल लॉ को हटाएंगे।' इससे पहले दक्षिण कोरिया के सांसदों ने नेशनल असेंबली के आधी रात के सत्र में राष्ट्रपति के फैसले का विरोध करते हुए मार्शल लॉ लगाए जाने के खिलाफ सर्वसम्मति से वोट दिया था। साउथ कोरियाई संसद में भारी विरोध के बाद इसे अमान्य करार दिया गया। सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों के 300 में से 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से मार्शल लॉ को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया। इसके बाद मार्शल लॉ को हटाना पड़ा। हालांकि, अपने इस कदम पर सफाई देते हुए राष्ट्रपति यून ने कहा कि यह फैसला देश विरोधी ताकतों को कुचलने के लिए लिया गया था। दक्षिण कोरिया में करीब पांच दशक बाद मार्शल लॉ लगाया गया था। आखिरी बार 1980 में ऐसा हुआ था। राजनेता और प्रदर्शनकारी नेशनल असेंबली (संसद) के बाहर जमा हो गए थे और उस समय लागू मार्शल लॉ की अवहेलना करते हुए नारेबाजी क र रहे थे।

सुरक्षा बलों को भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। देश की मुद्रा में भी गिरावट आई। यहां बताना जरूरी है कि दक्षिण कोरिया एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है। (हिफी)

देवेन्द्र फडणवीस ने जीती बाजी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के पक्ष में आये लेकिन भाजपा अकेले दम पर सरकार नहीं बना सकती थी। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 132 विधायक ही मिल पाये। इसलिए एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी का सहयोग जरूरी हो गया था। भाजपा ने भविष्य को भांप कर अजित पवार को अपने साथ पहले ही मिला लिया। इस प्रकार एकनाथ शिंदे भाजपा का साथ देने के लिए मजबूर हो गये थे। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार एकनाथ शिंदे ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर रहा था कि उन्हें कम से कम 6 महीने के लिए सीएम बना दिया जाए लेकिन उनसे स्पष्ट कहा गया कि मुख्यमंत्री तो भाजपा का ही बनेगा। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने गृह विभाग की मांग की। उनकी यह मांग भी नहीं मानी गयी। भाजपा ने स्पष्ट रूप से शिंदे को बता दिया कि भाजपा हाईकमान का निर्णय ही महाराष्ट्र में मान्य होगा। इतना जरूर किया गया कि देवेन्द्र फडणवीस को एकनाथ शिंदे के घर उनकी कुशल क्षेम लेने भेजा गया क्योंकि वे बीमार हो गये थे। इसके बाद 4 दिसम्बर को भाजपा पर्यवेक्षक निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी की मौजूदगी में देवेन्द्र फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया और एकनाथ शिंदे व अजित पवार को डिप्टी सीएम बनाने पर मुहर लग गयी।

विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 11 दिन बाद तय हुआ देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले सीएम होंगे। देवेंद्र फडणवीस के नाम पर मुहर महायुति की 4 दिसम्बर को हुई बैठक में लगाई गई। फडणवीस बीजेपी के विधायक दल के नेता चुने गए हैं। महायुति की बैठक में एकनाथ शिंदे और अजित पवार महाराष्ट्र को डिप्टी सीएम बनाने पर सहमति बनी है। इस निर्णय के बाद देवेंद्र फडणवीस समर्थकों विधायकों के नाम के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

बीजेपी की विधायक दल की बैठक शुरू होने से पहले बताया जा रहा था कि सीएम पद की रेस में देवेंद्र फणवीस सबसे आगे हैं। एक दिन पहले बीजेपी नेता फडणवीस ने महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आधिकारिक आवास वर्षा में मुलाकात की थी, पिछले सप्ताह दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं के बीच ये पहली आमने–सामने की मुलाकात थी। महाराष्ट्र का अगला सीएम कौन होगा इसे लेकर अटकलें लगायी जा रही थीं। इन सबके बीच निर्दलीय उम्मीदवार रवि राणा ने देवेंद्र फडणवीस को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस जैसे नेता की ही जरूरत है। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के विकास और आगे बढ़ा सकते हैं, हम उनके साथ है। महाराष्ट्र की जनता भी उन्हें ही अगला सीएम देखना चाहती है। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे नाराज थे, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने उनके घर पहुंचकर, उनसे आध ा घंटे बात कर नाराजगी भी दूर कर दी। शिवसेना भी सरकार में शामिल होगी सबसे बड़ी लड़ाई मंत्रालयों को लेकर थी लेकिन उसे भी सुलझा लिया गया। शिवसेना और एनसीपी दोनों ही चाहते हैं कि उनके पास सबसे ज्यादा और महत्वपूर्ण विभाग रहें। दोनों पार्टियों के दिग्गज नेताओं ने मंत्री पद के लिए लॉबिंग भी शुरू कर दी है लेकिन बीजेपी नेताओं का दावा है कि बात बन गई है। शिवसेना के एक नेता ने भी कहा, फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच बैठक में कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालयों को लेकर चर्चा हुई है।

बीजेपी के बड़े नेता सुधीर मुनगंटीवार ने एक ऐसा बयान दिया था, जिससे सस्पेंस बढ़ गया था। उन्होंने कहा, विधायक दल का नेता चुनने के लिए बैठक होगी, लेकिन पर्यवेक्षक नाम के साथ आते हैं। उनके सामने विधायक नेता का नाम तय करेंगे और घोषणा कर दी जाएगी। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक विश्लेषकों ने मुनगंटीवार के इस बयान की ओर इशारा किया है कि विधायक दल के नेता के नाम का प्रस्ताव दिल्ली से आएगा। बीजेपी को जिस तरह से विधानसभा चुनाव में सीटें आई हैं ऐसे में माना जा रहा था कि अगला सीएम बीजेपी से ही होगा। देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट से निर्वाचित हुए हैं। वह पूर्व में भी सीएम रह चुके हैं। एकनाथ शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम पद की जिम्मेदारी संभाल चुके देवेंद्र फडणवीस को 2019 में भी सीएम बनने का मौका मिला था लेकिन दो दिन बाद ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। बताते हैं कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने अमित शाह से मुलाकात में कहा कि उन्हें कम से कम छह महीने के लिए सीएम बना दिया जाए। एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में हुई मुलाकात में यह मांग उठाई थी कि अगर उन्हें फुल टर्म सीएम नहीं बनाया जा सकता है तो कम से कम सरकार के पहले छह महीने उन्हें सीएम बनाया जाए। हालांकि बीजेपी नेतृत्व ने शिंदे की मांग को खारिज कर दिया। उसका कहना था कि इससे गलत उदाहरण पेश होगा। बीजेपी के पदाधिकारियों के हवाले से एक वरिष्ठ नेता ने बताया, छह महीने के लिए सीएम बनाने की कोई व्यवस्था नहीं है। यह गलत निर्णय होता और यह प्रशासन पर गलत असर डालता।

यह मुलाकात 28 नवंबर को हुई थी। इसके एक दिन पहले ही एकनाथ शिंदे ने कहा था कि वह सरकार गठन में रोड़ा नहीं बनेंगे और बीजेपी नेतृत्व को फाइनल मानेंगे। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे मौजूद थे। वरिष्ठ नेता के मुताबिक शिंदे ने बीजेपी को लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान किए वादे की याद दिलाई कि अगर गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता है तो वह सीएम बने रहेंगे। उनकी इस मांग को इस आधार पर खारिज कर दिया कि उन्हें सीएम पद देना सही नहीं होगा जबकि बीजेपी बहुमत के लगभग करीब है। इसकी जगह शिंदे से कहा गया कि वह खुद को बीजेपी अध्यक्ष की जगह खड़ा होकर देखें। उनसे कहा गया, क्या आपको स्पष्ट बहुमत मिलेगा तो क्या आप सीएम पद छोड़ेंगे। बताया जा रहा है कि यह सुनकर शिंदे कुछ जवाब नहीं दे पाए। इस बीच एकनाथ शिंदे की तबीयत खराब हो गयी। शिष्टाचार के रूप में उनकी मुलाकात फडणवीस से हुई। शिंदे अपने गांव सतारा चले गए थे जहां से वो 2 दिसम्बर को मुंबई लौटे। दिल्ली में अमित शाह के साथ बैठक के बाद मुंबई में भी महायुति की बैठक होनी थी लेकिन शिंदे के बीमार होने की वजह से ये बैठक नहीं हो पाई। ठाणे के जुपिटर अस्पताल में शिंदे ने चेकअप कराया। अस्पताल से बाहर निकलने के दौरान मीडिया ने उन्हें घेर किया।

पत्रकार विजय शंकर हत्याकांड में दोषसिद्ध दो गैंगेस्टर अभियुक्तों को आजीवन कारावास

-पांच अभियुक्त बरी, वादिनी को जुर्माने की 80 फीसदी धनराशि देने का आदेश

अयोध्याएजेंसी)। 22 साल पहले पूराकलन्दर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर निमौली गांव में वर्चस्व की रंजिश को लेकर पत्रकार पत्रकार विजय शंकर मिश्र की सरेशाम बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग कर नृशंस हत्या करने के बहुचर्चित मामले में दोषसिद्ध दो गैंगेस्टर अभियुक्तों अजय कुमार मिश्र व राजेश उर्फ रज्जू को बुधवार को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है साथ ही 9 साल की अतिरिक्त सजा सुनाई गयी है। दोनों अभियुक्तों पर 30–30 हजार रूपये जुर्माना भी किया गया है। यह फैंसला विशेष न्यायाधीश गैंगेस्टर एक्ट मोहिंदर कुमार ने भरी अदालत में सुनाया है। इसके पश्चात दोनो अभियुक्तों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बींच जेल भेजने का आदेश पारित किया।

यह मामला अयोध्या जनपद के पूराकलन्दर थाना अन्तर्गत मिर्जापुर निमौली गांव का वर्ष 2002 का है। अभियोजन पक्ष से सरकारी अधिवक्ता जितेन्द्र तिवारी व विकास शुक्ला के मुताबिक गांव के वर्चस्व की जंग को लेकर पत्रकार विजय शंकर मिश्र की पूरा बितौली गांव के समीप 18 अप्रैल 2002 की सांय 6. 30 बजे बंदूक से ताबड़तोड फायरिंग कर उस समय हत्या कर दी गयी थी जब वह अपनी पुत्री रेखा मिश्र व उसकी सहेली उम्मेहबीबा को परीक्षा दिलाकर अपनी मोटर साइकिल से बैठाकर घर आ रहे थे तभी 6–6 की संख्या में हमलावरों ने उनपर फायरिंग कर दिया। फायरिंग के दौरान गोली लगने से पत्रकार विजय शंकर की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी जबकि पुत्री के द्वारा पिता को बचाने के दौरान उसको भी गंभीर चोटें आयी थीं। इसकी रिपोर्ट 10 हमलावरों रामनरेश पाठक, चन्द्रभान, राम मिलन यादव, राजेश उर्फ रज्जू, अजय मिश्र, राम तीरथ, नीलाम्बर, रामलखन उर्फ लखई, राज किशोर व बब्लू के विरूद्ध अपरा संख्या 118ध 2002 अर्न्तगत धारा 302, 148 व गैंगेस्टर एक्ट के तहत मृतक की पुत्री ने दर्ज कराया था। विवेचक ने विवेचना के दौरान 10 आरोपियों के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। दौरान मुकदमा तीन अरोपियें राम नरेश पाठक, राम मिलन यादव व चन्द्रभान की मृत्यु हो गयी थी। वादिनी एवं गवाहों के बयान के आधार पर तथा अभियोजन की जोरदार पैरवी के उपरान्त दो गैंगेस्टर आरोपियों अजय मिश्र व राजेश उर्फ रज्जू पर दोषसिद्ध किया गया तत्पश्चात गैंगेस्टर न्यायाधीश ने दोनों गैंगेस्टर अभियुक्तों के आजीवन कारवास की सजा सुनाई है तथा पांच गैंगेस्टर अभियुक्तों राम तीरथ, नीलाम्बर, राल लखन उर्फ लखई, राज किशोर व बब्लू पर अपराध सिद्ध न होने पर बरी कर दिया गया। जुर्माने की 80 प्रतिशत की धनराशि व वादिनी रेखा मिश्रा को देने का आदेश दिया गया है।

सैलानी अब आसमान से निहार सकेंगे अलौकिक रामनगरी का अद्भुत नजारा

-हाट एयर बलून के जरिये अब 250 फीट की ऊंचाई से निहारिये अयोध्या

-हाट एयर बैलून का शुभारंभ, एक साथ बैठ सकेंगे चार लोग, नया घाट के हेलीपैड पर मिलेगी सुविधा

-आसमान से दिखेगा रामलला का भव्य मंदिर, हनुमानगढ़ी और सरयू का खूबसूरत तट

अयोध्याएजेंसी)। वाटर मेट्रो बोट के बाद अयोध्या में अब हॉट एयर बैलून की शुरुआत हुई है। सीएम योगी की मंशा पर अयोध्या में शुरू की गई यह सेवा पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बन गयी है। इस बैलून में बैठने के बाद सैलानी 250 फीट की ऊंचाई से अयोध्या का भव्य नजारा देख सकेंगे। नया घाट हैलीपैड पर बुधवार को इसका शुभारंभ हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं की अयोध्या को इस लिहाज से सजाया जाए कि जिससे यहां एक बार पहुंचने वाला श्रद्धालु बार–बार आने का प्रयास करे। इस दिशा में चल रहे कार्यों के तहत अब यहां एयर हॉट बैलून की शुरुआत की गई है। अयोध्या विकास प्राधिकरण और पुष्पक एडवेंचर की मदद से शुरू हुए इस कार्य से निश्चित ही पर्यटन की दिशा में अयोध्या को बड़ा मुकाम हासिल होगा। अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्टस के माध्यम से पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने व युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हॉट एयर बैलून का शुभारंभ सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त गौरव दयाल व अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने किया। यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय ने बताया कि हॉट एयर बैलून एक एडवेंचर है। इसमें 10 मिनट की राइड होगी। ऊपर से रामलला का मंदिर, कनक भवन व सरयू का अद्भुत नजारा देखने के लिए 999 रुपये प्रति व्यक्ति खर्च करने पड़ेंगे। इसमें एक साथ चार लोग ही बैठ सकेंगे, जिसमें एक पायलट भी होगा।मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से मजबूत करने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के तहत अयोध्या में विभिन्न पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत हॉट एयर बैलून शुरू कराया गया है। यह हवा के रुख के हिसाब से चलता है। आने वाले दिनों में ऐसे कई प्रोजेक्ट अयोध्या में धरातल पर दिखाई पड़ने लगेंगे।

अयोध्या फिल्म फेस्टिवल का 18वां संस्करण : 7-9 दिसंबर को अयोध्या में आयोजित होगा

अयोध्याएजेंसी)। अयोध्या फिल्म फेस्टिवल का तीन दिवसीय 18वां संस्करण आगामी 7, 8 और 9 दिसंबर 2024 को गुरु नानक अकादमी गर्ल्स इंटर कॉलेज, उसरू, रायबरेली रोड, अयोध्या में आयोजित होने जा रहा है। यह महोत्सव भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उद्योग के लिए एक प्रमुख मंच है, जहाँ दुनिया भर से फिल्म निर्माता अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। आयोजन समिति इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह की तैयारियों में जुटी हुई है और समारोह का शुभारंभ 7 दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे होगा। अयोध्या फिल्म महोत्सव के चेयरमैन प्रोफेसर मोहन दास ने कहा कि इस वर्ष भी हमें विश्वभर के फिल्मकारों से अद्भुत और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इस बार 39 से अधिक देशों के फिल्म निर्माताओं ने अपनी फिल्में अयोध्या फिल्म महोत्सव में भेजी हैं। इन देशों में भारत के साथ–साथ चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूक्रेन, कोरिया, फ्रांस, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया, इटली, इजराइल, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, श्रीलंका, स्पेन, रोमानिया, पुर्तगाल, तुर्की, नॉर्वे, नेपाल, लीबिया, ब्राजील, जापान, नामीबिया, मैक्सिको, लक्जमबर्ग, जॉर्जिया, अर्जेंटीना, अल्बानिया आदि प्रमुख देश शामिल हैं।यह आयोजन न केवल भारतीय सिनेमा के लिए, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा के लिए भी एक मंच प्रदान करता है, जहाँ विभिन्न देशों के फिल्मकारों को अपनी फिल्में दिखाने का अवसर मिलता है। इस वर्ष 368 फिल्मों में से चयनित फिल्मों के चयन के लिए निर्णायक मंडल को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। चयन प्रक्रिया में यूएसए से फिल्म लेखिका और निर्माता बुवाना राम, इटली से संगीतकार अल्बर्टो बेलाविया, ईरान से फिल्म डिजाइनर सना नोरोजबेगी, भारत से अभिनेता ऋषि भूटानी, अभिनेता–निर्देशक विनय विक्रांत, माडल और अभिनेत्री मान्या पाठक और ज्यूरी अध्यक्ष प्रोफेसर मोहन दास शामिल थे। ज्यूरी टीम ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के विभिन्न श्रेणियों में चयन किया, जिसमें चुनिंदा फिल्मों को तीन दिवसीय समारोह के दौरान प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली फिल्मों की सूची में भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के साथ–साथ लघु और फीचर फिल्में शामिल हैं। फिल्म महोत्सव के संस्थापक निदेशक डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि इस वर्ष हमनें स्क्रीनिंग के लिए फिल्मों की एक बेहतरीन सूची तैयार की है। इस समारोह में विशेष रूप से कई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता भाग ले रहे हैं, जिनमें स्विट्जरलैंड से अभिनेता–निर्देशक उवे श्वार्जवेल्डर, इटली से निर्देशक आंद्रिया फॉर्टिस, पेरिस, फ्रांस से निर्देशक जेरेमी ब्रूनेल और रघुनाथ मानेट,दोहा कतर से अभिनेत्री और मॉडल प्रियंका बजाज सिब्बल शामिल हैं। इसके अलावा, आरजे विक्रम शर्मा, अभिनेता ऋषि भूटानी, अभिनेता–निर्देशक विनय विक्रांत, अभिनेता गिरीश थापर, अभिनेता–लेखक संजीव विरमानी, अभिनेता देव मुखर्जी, निर्देशक प्रेरणा गोपाल, और अभिनेता–अध्यक्ष शारवी एम जैसे प्रतिष्ठित शख्सियत भी इस महोत्सव का हिस्सा होंगे। इसके अलावा फिल्म निर्देशक अश्विन त्रिपाठी, निर्माता बिमल कुमार अग्रवाल, निर्माता शैलेन्द्र शुक्ला, निर्देशक डॉ. श्वेता कुमार दास, निर्माता नीलेश मांडलेवाला, अभिनेता मानव एम, निर्माता सायंतन चौधरी, निर्देशक सुहास कार्नेकर, एडवोकेट अभिषेक आनंद, फिल्म समीक्षक डॉ. अंकित पाठक, रंगकर्मी रफी खान और कवि एवं गीतकार सूर्य प्रताप राव रेपल्ली आदि की अतिथि के रूप में गरिमामयी मौजूदगी रहेगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह बंधन में बंधे 244 जोड़े

-मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में अतियियों ने दिया उपहार व आशीर्वाद

मिल्कीपुर–अयोध्याएजेंसी)। मिल्कीपुर विकास खण्ड के विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मैदान में बुधवार को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 244 जोड़ें विवाह बंधन में बंधे।तथा दो मुस्लिम जोड़े भी शामिल रहे,अतिथियों ने नव दंपतियों को आशीर्वाद, उपहार व प्रमाण पत्र भेंट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रूदौली विधायक रामचंद्र यादव ने किया। उन्होंने ने कहा कि परिणय सूत्र में बंधे सभी नव दम्पतियों का जीवन खुशहाली से भरा रहे। बेटियों के हाथ पीले करने के लिए पहले गरीबों को सेंठ साहूकारों के यहां हाथ फैलाना पड़ता था आज वे गर्व से अपनी बेटी का विवाह कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि देश भर की निगाहें मिल्कीपुर पर है उप चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी बहुमत से जीत होगी। सरकार हर गरीब के लिए पक्के छत की व्यवस्था कर रही है। मिल्कीपुर में भी हर गरीब परिवारों को पक्का मकान दिया जाएगा किसानों को किसान सम्मान निधि आसानी से खाते में मिल रही है। मातृशक्ति के सम्मान में मोदी जी और योगी जी अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चला रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि योगी जी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को पूरा कर रहे हैं गुण्डों दंगाइयों पर कठोर कार्यवाही कर रहे हैं, सरकार की सभी योजनाएं जनता तक पहुंचा रही हैं, कांग्रेस ने संविधान के साथ छेड़छाड़ किया और ऐ लोग संविधान को लेकर झूठा अफवाह फैला रहे हैं।सपा सरकार में पुलिस भर्ती का रिजल्ट एक मंत्री के कमरे में बनता था, कुछ जिले के लोगों को ही भर्ती किया जाता था वो नौकरी उद्योग अब बंद हो चुके हैं, सत्ता से बाहर हो गये इसलिए छटपटा रहे हैं। पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार की संपूर्ण योजनाएं पारदर्शिता के साथ चल रही है, कार्यक्रम का संचालन कवि अरुण द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह मंडल अध्यक्ष मिल्कीपुर अजय तिवारी, जिला पंचायत सदस्य अशोक मिश्रा, बब्लू पासी, खण्ड विकास अधिकारी अखिलेश गुप्ता,एड़ियों पंचायत सुरेन्द्र कुमार राव,शान्ती पासी उषा रावत, विनय सिंह टुनटुन, प्रधान अजीत जायसवाल, अनुराग सिंह एस पी ग्रामीण बलवंत, पुलिस क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर श्रीयस त्रिपाठी, थानाध्यक्ष इनायत नगर देवेंद्र कुमार पाण्डेय, थाना अध्यक्ष कुमारगंज अमरजीत सिंह सहित भारी संख्या में वर वधू पक्ष के लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में गंभीर घायल बुजुर्ग की मौत, मचा कोहराम

कर्नलगंज(गोण्डा) कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के अन्तर्गत गोण्डा–लखनऊ मार्ग पर रविवार को कटरा घाट पुल के निकट एक ढाबे के सामने अपाची बाइक की टक्कर से साइकिल सवार एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए थे,जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गोंडा रेफर किया गया था,जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया है।मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के ग्राम दत्तनगर के सुदईपुरवा निवासी देव नारायन मिश्र पुत्र रामछवि रविवार को कटरा घाट सरयू नदी के तट पर स्थित मंदिर में पूजा पाठ करके साईकिल से अपने घर की तरफ वापस आ रहे थे। तभी गोण्डा–लखनऊ मार्ग पर निकट सरयू पुल स्थित संतोष ढाबा के सामने पीछे से तेज रफ्तार से आ रही लाल सफेद रंग की अपाची बाइक ने लापरवाही पूर्वक जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे उनके सिर व शरीर में गंभीर चोटें आईं थीं। घायल बुजुर्ग का इलाज सुधा न्यूरो एंड ट्रामा सेंटर गोण्डा में हो रहा था, जहां इलाज के दौरान 3.12.2024 दिन मंगलवार को दिन में करीब साढ़े तीन बजे उनकी मृत्यु हो गई। मृतक बुजुर्ग के पौत्र अनुराग मिश्र पुत्र उत्तम मिश्र ने दवा इलाज में व्यस्त रहने के कारण मंगलवार की शाम को कर्नलगंज कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। मृतक बुजुर्ग कर्नलगंज के पत्रकार अनुराग मिश्र के बाबा हैं। उनके निधन पर पत्रकार सुभाष सिंह, अजीत दीक्षित, वीरेंद्र तिवारी, मनोज मौर्य, प्रदीप तिवारी, रमेश पाण्डेय, मोहम्मद इरफान, सुधीर पाण्डेय, गणेश रस्तोगी,अभय सिंह, अंग्रेज गुप्ता,अंकज मिश्रा, एमडी मौर्य व प्रदीप गोस्वामी, मयंकर मिश्र, हर्ष मिश्रा, सुरेन्द्र छाबड़ा आदि अनेकों लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है। मृतक का अंतिम संस्कार कटरा घाट स्थित सरयू नदी के तट पर किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अंग्रेजों के एजेंडे पर काम कर रही भाजपा सरकार: श्यामलाल पाल

-रौनाही टोल टैक्स पर सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

सोहावल–अयोध्याएजेंसी)। अंग्रेजों के एजेंडे पर काम कर रही है। भाजपा सरकार उक्त उदगार समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने बुधवार को तहसीनपुर स्थित रौनाही टोल टैक्स पर बीकापुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में व्यक्त किया।ज्ञात हो कि सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आज एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या आ रहे थे।तहसीनपुर स्थित रौनाही टोल टैक्स पर हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में श्याम लाल पाल ने कहा कि जिस तरह अंग्रेजों ने बांटो और राज करो की निति अपनायी थी।भाजपा भी उसी नीति को अपनाकर पूरे देश में नफरत का माहौल पैदा कर रही है। श्यामलाल पाल ने कहा कि जनता इनकी सच्चाई जान चुकी है। 2027 में उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।अल्प सूचना पर भारी संख्या में इकट्ठा हुए सपा कार्यकर्ताओं ने हाजी फिरोज खान गब्बर के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल का गगनचुंबी नारों एवं पुष्प व माला भेंट कर स्वागत किया। लंबे समय से समाजवादी पार्टी में जुड़े अरकुना बूथ प्रभारी प्रेम प्रजापति को प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने अंगवस्त्र एवं माला पहना कर सम्मानित किया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, जिला उपाध्यक्ष एवं बीकापुर विधानसभा प्रभारी एजाज अहमद, प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार पटेल, विधानसभा अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश यादव, जगजीवन पटेल, अशोक यादव, अमृत लाल वर्मा, चंद्रप्रकाश यादव, राम चंदर रावत, मोहम्मद शोएब खान, शरद पासवान, दीपक यादव, संतोष शर्मा, सभासद अबरार खान, दिनेश चौधरी, सलीम खान, दिलीप वर्मा, एशात खान, अशोक चौधरी, जावेद खान, दयानंद पासी, आमिर खान, दयाशंकर भारती, नफीस खान, निजाम खान, दानू यादव, मनोज यादव, प्रदीप यादव फौजी, अयान खान, दिलशान खान, मुकेश रावत प्रधान लखोरी, मुन्ना खान, आमिल खान, बुद्धि राम यादव, रामानंद निषाद, अनुभव रावत सहित बड़ी संख्या में सपा नेता कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में परिचालक की मौत,मचा कोहराम

कर्नलगंज (गोण्डा) एजेंसी)। तहसील व विकास खंड क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी रोडवेज बस के परिचालक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक तहसील क्षेत्र के कर्नलगंज विकास खंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत नारायनपुर मांझा (गोबरे पुरवा निवासी वासुदेव दूबे उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र सीताराम परिवहन विभाग में दूबे संविदा परिचालक थे,जो बुधवार की भोर में बस लेकर कर्नलगंज की तरफ आ रहे थे तभी गणेशपुर ढाबा के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दिया जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। वासुदेव दूबे की आकस्मिक मौत की सूचना से पूरे गांव में मातम छा गया,उनके गोबरे पुरवा स्थित आवास पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मृतक का अंतिम संस्कार कटरा घाट स्थित सरयू नदी के तट पर किया गया। जिसमें काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट से शिक्षकों को बदनाम करने की साजिश

कर्नलगंज (गोण्डा) एजेंसी)। सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर शिक्षक,शिक्षिकाओं को बदनाम करने की साजिश की शिकायत पुलिस से की गई है। कोतवाली कर्नलगंज अन्तर्गत नगर क्षेत्र में संचालित एक विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने सामूहिक रूप से कोतवाली में तहरीर दी है। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि विद्यालय की छवि धूमिल करने के लिए कुछ लोगों ने षड्यंत्र कर इंस्टाग्राम पर विद्यालय के नाम से फर्जी अकाउंट बनाया। उसके बाद शिक्षक–शिक्षिकाओं की फोटो अपलोड करके अश्लील शब्दों का प्रयोग किया। वीडियो तैयार कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। यही नहीं, उनके फोटो के साथ अश्लील शब्द, गाली व धमकी भरे पोस्ट करके परेशान कर रहा है। उसके इस कृत्य से शिक्षक–शिक्षिकाएं परेशान हैं, समाज में उनकी छवि धूमिल हो रही है।

जिला महिला अस्पताल में विटामिन ए सम्पूर्ण कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारंभ

गोण्डाएजेंसी)। बुधवार को जिला महिला अस्पताल में नियमित टीकाकरण के अंतर्गत षविटामिन ए संपूरण कार्यक्रम में बच्चों को दवा पिलाकर जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी बच्चों को षविटामिन ए संपूरण का डोज पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बताया है कि विटामिन ए सम्पूरण कार्यक्रम का द्वितीय चरण दिनाँकरू 4 दिसम्बर,2024 से 3 जनवरी,2025 तक चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में जनपद के समस्त 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की अतिरिक्त डोज की दी जाएगी। इसकी कमी से बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ जाती है, साथ ही रतौंधी, अंधापन, गंभीर और लंबे समय तक बीमारी में बने रहना, कुपोषण और मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी इत्यादि हो सकती है। जनपद में 9 माह से 12 माह के मध्य 1 एमएल तथा एक वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चो को 2एमएल दिया जाता है। 16 माह तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण के दौरान आच्छादित किया जाता है शेष बच्चों को इस अभियान में अतिरिक्त डोज दिया जाएगा। यह कार्यक्रम नियमित टीकाकरण के दिन ही आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आदित्य वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जय गोविंद, सीएमएस महिला अस्पताल, डीसीपीएम डॉक्टर आरपी सिंह, डॉक्टर शेषनाथ सिंह यूनिसेफ, डॉक्टर पंकज तिवारी सहित सभी संबंधित लोग उपस्थित रहे।

आगामी 15 दिसंबर से विद्युत बिल पर छूट--अवर अभियंता

गोण्डा एजेंसी)। विद्युत उपकेंद्र नवाबगंज पर बुधवार को कर्मियों के साथ उपखण्ड अधिकारी ने बैठक की। बैठक में विद्युत बिल पर सरचार्ज माफी को लेकर अधिक से अधिक बिल जमा करवाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मियों को क्षेत्र में उपभोक्ताओं को छूट का लाभ प्राप्त कर बकाया भुगतान के लिए प्रेरित करने को कहा। अवर अभियंता राम अचल ने बताया कि 15 दिसम्बर से घरेलू व कमरशियल कनेक्शनों पर 100: छूट मिलेगी। उपभोक्ता तीन चरणों में इसका लाभ उठा पाएंगे। प्रथम चरण में सबसे अधिक लाभ मिलेगा। यह योजना 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। इसके लिए वाहन से प्रचार प्रसार किया जायेगा। इस मौके पर कार्यालय सहायक वैभव सिंह, टीजीटू प्रवीण यादव, सौरभ श्रीवास्तव, रविकांत, मीटर रीडर अश्वनी सोनी, संतोष पाण्डेय,आदि लोग उपस्थित रहे।

सरकारी नजूल भूमि पर अवैध निर्माण, एसडीएम से शिकायत

कर्नलगंज (गोण्डा) एजेंसी)। तहसील व कोतवाली क्षेत्र के कर्नलगंज कस्बे के मोहल्ला गाड़ी बाजार पश्चिमी में स्थित सरकारी नजूल भूमि पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक कुछ दबंग लोग कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर इस सरकारी भूमि का कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। यह निर्माण बिना फ्री होल्ड प्रक्रिया पूरी किए और बिना नक्शा पास कराए किया जा रहा है। आरोप है कि दबंगई के बल पर सरकारी भूमि पर कब्जा कर अवैध निर्माण किया जा रहा है,जिससे स्थानीय निवासी के घर का रास्ता भी बाधित हो गया है। नजूल जमीन पर हो रहे निर्माण की शिकायत करने पर विवाद बढ़ा और मामला फौजदारी तक पहुंचने की स्थिति में आ गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उन्होंने अवैध निर्माण रोकने की कोशिश की,तो दबंग लोग मारपीट पर उतारू हो गए। उपजिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में अवैध निर्माण पर रोक लगाने और संबंधित दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लेते हुए तहसीलदार मनीष कुमार ने हल्का लेखपाल और राजस्व टीम को मौके पर भेजा। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर निर्माण कार्य रुकवाया और दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। तहसील प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजस्व विभाग द्वारा मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह मामला प्रशासनिक सख्ती के बावजूद सरकारी जमीनों पर कब्जे और अवैध निर्माण के बढ़ते मामलों की ओर इशारा करता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 07 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

एडिलेड टेस्ट में राहुल-जायसवाल ही ओपनिंग करेंगेरू रोहित शर्मा

एडिलेड, 5 दिसंबर। पर्थ में पहला टेस्ट जीतने के बाद अब टीम इंडिया का काफिला एडिलेड पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पिंक बॉल टेस्ट के लिए प्लेइंग–11 का ऐलान कर दिया है और अब सब की नजर टीम इंडिया की प्लेइंग–11 पर है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी मजबूत हो गई है, लेकिन एक नया टीम कॉम्बिनेशन तैयार करना कोच के साथ टीम इंडिया और अधिक गौतम गंभीर के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की सराहना करते हुए कहा कि एडिलेड में भी हमारी ओपनिंग जोड़ी यही होगी।शुक्रवार से एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे गुलाबी गेंद टेस्ट में पारी की शुरुआत इन दोनों बल्लेबाजों के कंधों पर ही रहेगी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में राहुल और जायसवाल ने टीम की जीत की नींव रखी थी।रोहित ने गुरुवार को प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, केएल (एडिलेड में) ओपनिंग करेंगे। जायसवाल के साथ उनकी साझेदारी ने उस पहले टेस्ट की जीत में अहम भूमिका निभाई। जिस तरह से उन्होंने भारत के बाहर बल्लेबाजी की है, वह इसके हकदार हैं। मैं मध्यक्रम में कहीं बल्लेबाजी करूंगा। यह काफी सरल निर्णय था।पारिवारिक कारणों आसान नहीं था (बल्लेबाज के तौर पर) लेकिन टीम के लिए यह एक से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम के चलते रोहित शर्मा पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। उनकी अनुपस्थिति में में डेब्यू किया।रोहित एडिलेड में होने की अगुवाई की जबकि नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने टेस्ट क्रिकेट पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वाले डे–नाइट टेस्ट में बतौर ओपनर अपने नियमित स्थान पर नहीं खेलेंगे। के घेरे में आ गई थी।पिछली छह घरेलू मैदान पर 0–3 से हार के बाद उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी सवालों पारियों में उन्होंने एक अर्धशतक सहित केवल 93 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 15.16 रहा जो तीन या उससे ज्यादा टेस्ट मैच की सीरीज में उनका सबसे खराब औसत है।पिछले सप्ताह कैनबरा के मनुका ओवल में ऑस्ट्रेलिया के प्राइम मिनिस्टर्स 11 के खिलाफ खेले गए सीमित ओवरों के गुलाबी गेंद के अभ्यास मैच में टीम के प्रदर्शन से रोहित संतुष्ट दिखे।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 24,400 से ऊपर

मुंबई, 5 दिसंबर। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9रू41 बजे सेंसेक्स 103.11 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,059.44 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 21.20 अंक या 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,488.65 पर कारोबार कर रहा था। बाजार का रुख सकारात्मक रहा।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,291 शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 993 शेयर लाल निशान में थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी बाजार तेजी में है। फेड के प्रमुख पॉवेल ने टिप्पणी कि अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है अमेरिकी बुल्स के लिए एक प्रेरणा है। हालांकि, इस बात की चिंता है कि अमेरिका में वैल्यूएशन बढ़ रहा है। उच्च वैल्यूएशन की यह चिंता भारत के लिए भी बनी हुई है।उन्होंने कहा कि बुल मार्केट में वैल्यूशन बढ़ सकता है, इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए। एफआईआई की बिक्री के बारे में जानकारों ने कहा, एफआईआई का खरीदार बनना बाजारों के लिए खासकर लार्ज कैप के लिए सकारात्मक है। बैंकिंग शेयरों में मजबूती से बैंक निफ्टी को अब तक के उच्चतम स्तर पर ले जाने की क्षमता है।

उन्होंने कहा कि इससे निफ्टी को भी ऊपर जाने में मदद मिल सकती है। निफ्टी बैंक 53.40 अंक या 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,213.50 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 94.15 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,206.55 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 67.90 अंक या 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,241.45 पर था।एक्सिस सिक्योरिटीज के अक्षय चिंचलकर ने कहा, कल निफ्टी में लगातार चौथे दिन तेजी रही, यह सिलसिला 27 सितंबर के रिकॉर्ड शिखर से एक दिन पहले देखा गया था। सेंसेक्स पैक में इंफोसिस, टीसीएस, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक टॉप गेनर्स रहे। एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और मारुति टॉप लूजर्स रहे।

एशियाई बाजारों में चीन और जापान के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि सोल, जकार्ता, बैंकॉक और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 4 दिसंबर को 1,797 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने उसी दिन 900 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

बिटकाइन की कीमत इतिहास में पहली बार 1 लाख डालर के पार पहुंची

नईदिल्ली,05 दिसंबर। बिटकॉइन की कीमत इतिहास में पहली बार 1 लाख डॉलर (लगभग 84.70 लाख रुपये) तक पहुंच गई, जो क्रिप्टो बाजार के लिए बड़ी उपलब्धि है। 5 दिसंबर को बिटकॉइन ने यह मील का पत्थर छुआ।इससे पहले 12 नवंबर को यह 90,000 डॉलर (लगभग 76.25 लाख रुपये) तक पहुंचा था। सिर्फ कुछ हफ्तों के भीतर इसने यह नया रिकॉर्ड बनाया है।पिछले एक साल में बिटकॉइन की कीमत में तेज वृद्धि हुई है।इस साल अमेरिका में स्पॉट बिटकॉइन एक्सचेंज–ट्रेडेड फंड्स में 2,600 अरब रुपये से अधिक निवेश हुआ और अप्रैल में बिटकॉइन की चौथी हाफिंग से आपूर्ति घटी।डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव जीत, बिटकॉइन राष्ट्रीय रिजर्व की अटकलें और माइकल सैलर के नेतृत्व में कॉर्पोरेट स्तर पर बिटकॉइन को अपनाने से इसकी कीमत बढ़ी।ट्रंप ने क्रिप्टो समर्थक पॉल एटकिंस को एसईसी अध्यक्ष और स्कॉट बेसेंट व हॉवर्ड लुटनिक को उच्च पदों पर नामित कर क्रिप्टो के लिए सकारात्मक माहौल बनाया।

जनवरी से बिटकॉइन की कीमत में 126 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 44,000 डॉलर (लगभग 37.27 लाख रुपये) से बढकर 1 लाख डॉलर तक पहुंची। इसके साथ ही बाजार पूंजीकरण पहली बार 2 लाख करोड़ डॉलर पार कर गया।हालांकि, 2017 में यह 1,900 प्रतिशत बढ़ा था, जब कीमत 1,000 डॉलर से 20,000 डॉलर तक पहुंची थी। मार्च 2020 में महामारी के दौरान कीमत 5,100 डॉलर थी, जो नवंबर 2021 में 1,250 प्रतिशत बढकर 69,000 डॉलर हो गई।

अभिषेक शर्मा ने किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकार्ड की बराबरी की

राजकोट, 5 दिसंबर। कप्तान अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को निरंजन शाह स्टेडियम सी में मेघालय के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) मैच में पंजाब के लिए मात्र 28 गेंदों पर सनसनीखेज 100 रन बनाकर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की।29 गेंदों पर 11 छक्कों और आठ चौकों की मदद से 106 रनों की नाबाद पारी खेलकर अभिषेक ने गुजरात के उर्विल पटेल के साथ किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने इससे पहले इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ 28 गेंदों पर शतक बनाया था।143 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए, अभिषेक ने मात्र 12 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर मात्र 28 गेंदों में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जबकि पंजाब ने मात्र 9.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।अभिषेक की सनसनीखेज पारी ने टूर्नामेंट में उनके खराब दौर को खत्म किया, क्योंकि अपनी पिछली छह पारियों में उन्होंने 149 रन बनाए थे और केवल एक बार पचास का आंकड़ा पार किया था।।

कलिंगा लांसर्स ने वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया

भुवनेश्वर, 5 दिसंबर। कलिंगा लांसर्स ने आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन के लिए वैलेंटिन अल्टनबर्ग को मुख्य कोच नियुक्त किया है। 43 वर्षीय अल्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हॉकी में एक बेहद सम्मानित नाम हैं, जो अपने सामरिक कौशल, नेतृत्व और जर्मन राष्ट्रीय टीम के साथ वर्षों के अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

अल्टनबर्ग एक दशक से भी अधिक समय से जर्मन हॉकी में एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। जर्मन हॉकी एसोसिएशन (डीएचबी) के इतिहास में सबसे कम उम्र के सीनियर पुरुष कोच के रूप में, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में जर्मन पुरुष टीम को कांस्य पदक दिलाया और टीम को प्रमुख टूर्नामेंटों में मजबूत प्रदर्शन के लिए निर्देशित किया, जिसमें 2019 और 2021 में यूरोपीय चौंपियनशिप में रजत पदक और 2023 में कांस्य पदक शामिल हैं। अपनी ओलंपिक उपलब्धियों के अलावा, अल्टनबर्ग ने पुरुष और महिला दोनों टीमों का प्रबंधन किया है, जिससे उनकी भूमिका में बहुमुखी प्रतिभा और खेल की व्यापक समझ आई है।मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, अल्टनबर्ग ने कहारू मैंने हमेशा भारतीय हॉकी की प्रशंसा की है, और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं वेदांत कलिंगा लांसर्स का आभारी हूं। हमारे पास टीम में युवा और अनुभवी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों का एक स्वस्थ मिश्रण है, और मैं एथलीटों और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं शुरुआत करने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

कलिंगा लांसर्स के रणनीति निदेशक डेविड जॉन ने कहा, मैं वैलेंटिन के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने भारतीय खिलाडियों के साथ काम किया है और उच्चतम स्तर पर कोचिंग की है, जिससे खिलाडियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलकर आया है। उनका ओलंपिक अनुभव और कोचिंग के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण टीम के लिए बहुत मददगार साबित होगा, क्योंकि हमारा लक्ष्य पिछली बार जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत करना है। कलिंगा लांसर्स एक रोमांचक सीजन के लिए कमर कस रहे हैं और 30 दिसंबर को राउरकेला में यूपी रुद्र के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे।

ट्रम्प ने भारतीय नौसेना को दिये एमएच-60 हेलिकाप्टर

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका में बने एमएच–60 रोमिया मल्टीरोल हेलीकॉप्टर डील का एलान कर दिया और अब दूसरी बार ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ही अमेरिका ने रोमियों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को बिक्री को भी मंजूरी दे दी। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने फॉरन मिलेट्री सेल के तहत 1.17 बिलियन डॉलर कीमत के कम्युनिकेशन, सेंसर और लॉजेस्टिक भारतीय नौसेना के रोमियो हैलिकॉप्टर की ताकत को और बढ़ाएगी। नौसेना के लिए करोड़ 2. 6 बिलियन की कीमत से 24 एमएच–60 रोमिया मल्टीरोड हेलीकॉप्टर की खरीद की हैरोमियो हैलिकॉप्टर चौथी जेनेरेशन के हैलिकॉप्टर में सबसे बेहतर तकनीक, ये एक मल्टीरोल हैलिकॉप्टर यानी एक साथ कई टास्क को अंजाम दे सकता है। रडार और सोनार इस हैलिकॉप्टर को दुनिया में पनडुब्बियों के लिए सबसे खतरनाक बनाती है। इसे एंटी–सबमरीन एडवांस हैलिकॉप्टर के तौर पर जाना जाता है। इसकी दो सबसे बड़ी खासियत है कि पानी में छिपी पनडुब्बियों पर हमला करना और एयर टू सरफेस यानी हवा से जमीन पर हमला करना। इसके अलावा इसमें एंटी–सबमरीन मार्क 54 टारपीडो दिया गया है जो पानी में छिपी पनडुब्बियों को निशाना बनाता है। वहीं हेलफायर एयर टू सरफेस मिसाइल जहाजों को निशाना बनाती है।

प्रधानमंत्री की रूफटाप सोलर योजना के तहत 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन, 6.34 लाख पैनल हुए इंस्टाल

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। संसद में दिए गए एक बयान के अनुसार, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत करीब 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन और 6.34 लाख इंस्टॉलेशन पूरे किए गए हैं।

इस योजना को प्रधानमंत्री ने वित्त वर्ष 2027 तक आवासीय क्षेत्र में 1 करोड़ रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन हासिल करने के उद्देश्य से शुरू किया है, जिसके लिए 75,021 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली राज्य मंत्री (एमओएस) श्रीपद नाइक ने राज्यसभा को एक लिखित जवाब में बताया कि राष्ट्रीय पोर्टल ने कुल 1.45 करोड़ रजिस्ट्रेशन, 26.38 लाख आवेदन और 6.34 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की सूचना दी है।एमओएस के अनुसार, 3.66 लाख आवेदकों को सब्सिडी जारी की गई है और इसे नियमित रूप से 15 से 21 दिनों के भीतर जारी किया जाता है।गुजरात में इस पहल के तहत सबसे अधिक 2,86,545 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। महाराष्ट्र में 1,26,344 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में 53,423 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं।राज्य मंत्री नाइक ने कहा कि मंत्रालय आरईसी, डिस्कॉम और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों के साथ साझेदारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य योजना के सफल कार्यान्वयन के रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करना है।पीएम मोदी ने उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के लिए रूफटॉप सोलर योजना शुरू की थी।75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध करवा कर 1 करोड़ घरों को रोशन करना है।लोगों के बैंक खातों में सीधे दी जाने वाली पर्याप्त सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े।

इस योजना को जमीनी स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए, शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।साथ ही, इस योजना से लोगों की आय में वृद्धि, बिजली बिल में कमी और रोजगार सृजन हो रहा है।

नए साल से महंगी हो जाएंगी हुंडई मोटर इंडिया की गाडियां, 25,000 रुपये तक बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) द्वारा गुरुवार को अपने सभी मॉडल्स के दाम में 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया गया। नई कीमतें 1 जनवरी से लागू होंगी। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह इनपुट लागत का बढना है।

कंपनी द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी मॉडल्स पर की जाएगी और अधिकतम 25,000 रुपये तक बढ़ाए जाएंगे। इनपुट लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है।

एचएमआईएल के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी, तरुण गर्ग ने कहा, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड में हमारा प्रयास हमेशा बढ़ती लागत को यथासंभव हद तक वहन करने का होता है, जिससे हमारे ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

आगे कहा कि इनपुट लागत में निरंतर वृद्धि के कारण कीमतों में वृद्धि करना आवश्यक हो गया था। कीमतों में बढ़ोतरी 1 जनवरी, 2025 से लागू हो जाएगी।

2024 की अप्रैल से सितंबर अवधि में कंपनी ने कुल 3,83,994 यूनिट्स यात्री वाहन बेचे हैं। इसमें एसयूवी सेगमेंट के मजबूत योगदान के साथ घरेलू बाजार बिक्री 2,99,094 यूनिट्स की रही। इस दौरान कंपनी द्वारा 84,900 यूनिट्स का निर्यात किया गया है।

अकेले नवंबर में हुंडई मोटर इंडिया ने 61,252 यूनिट्स की कुल मासिक बिक्री दर्ज की। महीने के दौरान कंपनी की घरेलू बिक्री 48,246 यूनिट्स रही जबकि निर्यात बिक्री 13,006 इकाई रही।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही (जुलाई– सितंबर) में कंपनी के कंसोलिडेटेड मुनाफे में 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और यह 1,375 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले साल समान अवधि में कंपनी को 1,628 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मुनाफे में गिरावट की वजह घरेलू और निर्यात बाजार में कमजोर बिक्री होना है।कंपनी ने कहा कि परिचालन से उसकी कंसोलिडेटेड आय 2024–25 की दूसरी तिमाही में 7.5 प्रतिशत घटकर 17,260 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 18,660 करोड़ रुपये थी।

यूपीआई लाइट वालेट की लिमिट हुई 5000 रुपये, प्रति ट्रांजैक्शन की लिमिट भी बढ़ी

मुंबई, 5 दिसंबर। भारतीय रिजर्व बैंक ने मोबाइल फोन के जरिए इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम को बढ़ावा देते हुए यूपीआई लाइट के लिए वॉलेट लिमिट को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये करने की घोषणा की है। इसके अलावा, प्रति ट्रांजैक्शन की लिमिट को भी 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये कर दिया गया है।

आरबीआई के अनुसार, यूपीआई लाइट के जरिए अब एक व्यक्ति को एक बार में अधिकतम 1,000 रुपये भेजे जा सकते हैं। रिजर्व बैंक सर्कुलर में कहा गया है, यूपीआई लाइट के लिए बढ़ी हुई लिमिट प्रति लेनदेन 1,000 रुपये होगी और किसी भी समय कुल सीमा 5,000 रुपये होगी।

यूपीआई पेमेंट के लिए यूजर को यूपीआई पिन की जरूरत होती है। यूपीआई लाइट के जरिए स्मार्टफोन यूजर को कम कीमत वाले लेनदेन बिना यूपीआई पिन के करने की सुविधा मिलती है। यूपीआई लाइट एक कस्टमर–फ्रेंडली अप्रोच है, जो कि रियल टाइम में बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम पर निर्भर नहीं रहती।

यूपीआई लाइट व्यक्ति–से–व्यक्ति भुगतान, व्यक्ति–से–व्यापारी भुगतान और छोटे व्यापारी भुगतान के लिए ऑफलाइन लेनदेन को सपोर्ट करता है। यूपीआई लाइट के साथ यूजर को पेमेंट के लिए ऑफलाइन डेबिट की सुविधा मिलती है, लेकिन क्रेडिट के लिए ऑनलाइन रहना जरूरी है।

अधिकांश यूपीआई मर्चेंट लेनदेन स्थिर या गतिशील क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हैं, जिसके लिए भुगतान पूरा करने के लिए प्राप्तकर्ता तक ऑनलाइन संदेश पहुंचना जरूरी है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब आरबीआई उन टेक्नोलॉजी की पायलेट टेस्टिंग कर रहा है, जो उन स्थितियों में खुदरा डिजिटल भुगतान को सक्षम बनाती हैं, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी कम है या उपलब्ध नहीं है।

पिछली बार अक्टूबर में, आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति के हिस्से के रूप में इन यूपीआई पेमेंट लिमिट को एडजस्ट करने का इरादा जताया था। केंद्रीय बैंक ने विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर अपने बयान में कहा था, ऑफलाइन डिजिटल मोड में छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए रिजर्व बैंक द्वारा जारी रूपरेखा, जिसके तहत यूपीआई लाइट को सक्षम किया गया है,

तुर्की के अंडों का आनंद लेती नजर आई हाय नन्ना स्टार मृणाल ठाकुर

सीता रामम, हाय नन्ना, जर्सी, पिप्पा और द फैमिली स्टार में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक तस्वीर शेयर की है, इसमें उन्हें खाने का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'सीता रामम' स्टार ने ब्रेड के साथ तुर्की अंडे की प्लेटेड डिश की तस्वीर शेयर की। तुर्की से आने वाली इस डिश में उबले हुए अंडे को क्रीमी दही के ऊपर परोसा जाता है और ऊपर से पिघला हुआ मक्खन डाला जाता है, जिसे अक्सर डिल या अजमोद के साथ सर्व किया जाता है।

जर्सी की अभिनेत्री ने पहले भावनाओं के बारे में नहीं, बल्कि उड़ान पकडने के बारे में एक पोस्ट शेयर की थी। रविवार को अभिनेत्री ने अपनी कई तस्वीरों के साथ एक पोस्ट शेयर की। इन तस्वीरों में उन्हें मजेदार पोज के साथ देखा जा सकता है।

मृणाल ने पोस्ट को कैप्शन दिया, उड़ान पकडना, भावनाएं नहीं। तस्वीरों में अभिनेत्री को हेडफोन के साथ देखा जा सकता है।मृणाल ठाकुर के करियर पर एक नजर डालें तो उन्होंने 2012 में टीवी शो मुझसे कुछ कहती है.. ये खामोशियां से अपने अभिनय की शुरुआत की। वह अर्जुन और कुमकुम भाग्य जैसे शो में यादगार भूमिकाओं के साथ उन्होंने जल्द ही लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई।फिल्मों की ओर रुख करते हुए मृणाल ने ऋतिक रोशन की सुपर 30, बाटला हाउस, धमाका और सीता रामम जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया।

उन्होंने प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण के साथ साइंस फिक्शन कल्कि 2898 ई.डी. में अपनी भूमिका से भी सुर्खियां बटोरी।इस साल की शुरुआत में मृणाल को उत्तराखंड में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक रोमांटिक फिल्म की शूटिंग करते हुए देखा गया था।

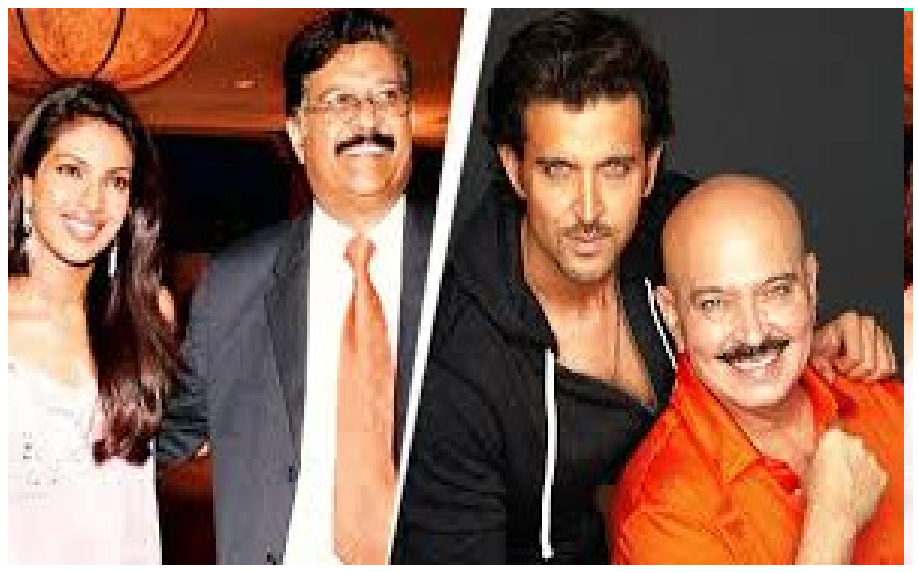

ऋ तिक रोशन के खानदान पर नेटफ्लिक्स ने किया द रोशंस सीरीज का एलान, जानें कब होगी रिलीज

रोशन, राकेश रोशन, राजेश रोशन और अब ऋ तिक रोशन बॉलीवुड में रोशन खानदान की नींव बरकरार रखे हुए हैं. ऋ तिक रोशन के दादा रोशन एक शानदार संगीतकार थे और ऋ तिक रोशन के चाचा राजेश रोशन को पिता से संगीत विरासत में मिला था. वहीं, राकेश रोशन ने बतौर डायरेक्टर फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया और अब ऋ तिक रोशन बतौर एक्टर दुनियाभर के फैंस पर राज कर रहे हैं. अब बॉलीवुड के इस हिट रोशन परिवार पर नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस का एलान किया है. ओटीटी के अग्रणी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इसका ऑफिशियली एलान कर सीरीज का पोस्टर जारी किया है.

वहीं, रोशन परिवार की इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज का टाइटल द रोशंस है. नेटफ्लिक्स ने बताया है कि द रोशंस जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है. नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल पेज पर बताया है कि डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस फिल्म इंडस्ट्री के इस सक्सेस परिवार की कला की विरासत और पीढ़ी दर पीढ़ी इसे कैसे बढ़ाया गया है, इसमें दिखाया जाएगा. यह पहली बार है जब सिनेप्रेमियों को रोशन परिवार को नजदीक से जानने का मौका मिलेगा. साथ ही रोशन परिवार का हिंदी सिनेमा में क्या योगदान रहा है इस पर भी पर्दा हटने जा रहा है.बता दें, द रोशंस सीरीज की शुरुआत दिवंगत रोशन लाल नागरथ की संगीतमयी दुनिया से होगा, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में संगीत की कला को नए आयाम दिए. वहीं, सीरीज में रोशन परिवार के अचीवमेंट के बारे में भी देखने को मिलेगा. राकेश रोशन, राजेश रोशन और ऋतिक रोशन का हिंदी सिनेमा में योगदान भी अब लोगों के बीच आने वाला है.बता दें, राकेश रोशन सीरीज द रोशंस के प्रोड्यूसर हैं और वहीं शशि रंजन को–प्रोड्यूसर होने के साथ–साथ इसके डायरेक्ट भी हैं. शशि रंजन ने अपना अनुभव शेयर कर बताया है, इस सीरीज को डायरेक्ट करना मेरे लिए एक सम्मानजनक जर्नी रही है, मैं खुश हूं कि मुझे रोशन परिवार की विरासत से जुडने का मौका मिला, मैं इसके लिए रोशन परिवार का आभारी हूं. यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मैं रोशन परिवार की क्रिएटिविटी, उनके साहस, कमिटमेंट की कहानी को दुनिया को दिखाने जा रहा हूं.वहीं, नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेजिडेंट कंटेंट मोनिका शेरगिल ने कहा, हमें इस बात को बताते हुए बहुत खुशी है कि हम एक ऐसे परिवार की कहानी और जीवनी को सामने ला रहे हैं, जिसने सिनेप्रेमियों की कई पीढियों के दिलों में जगह बनाई, द रोशंस सीरीज दिल से जुड़ी सीरीज है, जो एक इमोशनल सफर के महसूस कराने का दावा करता है.

नीति टेलर ने कहा पति के साथ अनबन नहीं

eनोरंजन जगत से पिछले कुछ दिनों में कई कपल्स के अलग होने की खबरें आईं। 'पांड्या स्टोर' फेम अक्षय खरोडिया ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपने तलाक का ऐलान किया। इस बीच नीति टेलर के तलाक को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई। ये सब उनके अपने नाम के आगे से पति का सरनेम हटाने के बाद शुरू हुआ। अब इस मामले पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने तलाक पर चल रही अफवाहों पर भी जिक्र किया है, जिस पर आज तक एक्ट्रेस ने चुप्पी साध रखी थी।

नीति टेलर ने हाल ही में इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी। अपनी बात को रखते हुए वो थोड़ी इमोशनल भी हो गईं। शादी के 4 साल बाद उन्होंने ऐसे क्यों किया इस बाके में भी एक्ट्रेस ने खुलकर बात रखी। नीति टेलर ने फिल्मी ज्ञान के साथ बातचीत में तलाक का अफवाहों पर बात की। उन्होंने परीक्षित बावा संग अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा– 'जब आप इन बातों पर रिएक्ट नहीं करते हैं तो वही आपका जवाब होता है'। उन्होंने आगे कहा– 'जब कुछ हो ही नहीं रहा था तो मैं उन बातों पर क्या ही रिएक्ट करूं। मैं अपनी तरफ से इन चीजों पर कोई सफाई क्यों दूं। जब ऐसा कुछ है ही नहीं तो रिएक्ट क्यूं करना।' एक्ट्रेस ने आगे कहा– 'मैं और परीक्षित साथ ही हैं। जब तलाक की खबरें आई थीं तो मैं थोड़ा परेशान हो गई थी लेकिन, फिर मैंने सोचा कि मीडिया में तो बातें बनती ही रहती हैं। मैं अपनी शादीशुदा जिंदगी में काफी खुश हूं। मैं और परीक्षित अलग नहीं हो रहे हैं।' उन्होंने साफ–साफ शब्दों में कहा कि अगर मैंने अपने नाम के आगे से परीक्षित का सरनेम हटा दिया तो इसका ये मतलब तो नहीं हुआ कि हम अलग हो रहे हैं। मैंने ऐसा ज्योतिष कारणों से किया था। परीक्षित के साथ आज भी मेरी सारी फोटोज मौजूद हैं। हम साथ में खुश हैं।

आपको बता दें कि नीति टेलर ने 2020 में परीक्षित बावा से शादी की थी। दोनों ने लॉकडाउन के दौरान शादी की थी, जिसके चलते इस शादी में दोनों के परिवार के लोग और बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। दोनों की वेडिंग फोटोज काफी वायरल हुई थीं। नीति टेलर के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत कर दी थी लेकिन, उन्हें पहचान 'बड़े अच्छे लगते हैं' से मिली थी।

मोनालिसा ने अनारकली सूट पहन कैमरे के सामने दिखाई कातिल अदाएं, एक्ट्रेस का सिजलिंग अंदाज देख फैंस का मचला दिल

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम

पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी हॉटनेस से इंस्टाग्राम पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी सिजलिंग और हॉट अदाएं देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ग्रीन कलर का अनारकली सूट पहना हुआ था, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं।माथे पर लाल बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने मोनालिसा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स करते हुए दिलखोलकर अपना प्यार लूटाते हैं।

मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहतीं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

ममता कुलकर्णी 24 साल बाद मुंबई आयीं

eशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी 24 साल बाद मुंबई वापस आ गई हैं और उन्होंने कहा कि वह वाकई बहुत खुश हैं। उनके इंस्टाग्राम हैंडल पर एक सेल्फी वीडियो शेयर किया गया है। क्लिप में अभिनेत्री को यह कहते हुए सुना गया, हाय दोस्तों, मैं ममता कुलकर्णी और मैं 24 साल बाद भारत, बॉम्बे, मुंबई, आमची, मुंबई आई हूं। उन्होंने साझा किया कि वह पूरी यात्रा के बारे में बहुत भावुक हैं। उन्होंने कहा, जब मैं वर्ष 2000 में भारत से बाहर गई थीं और ठीक 2024 में मैं यहां हूं।

एक्ट्रेस आगे कहती हैं, और मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे नहीं पता कि इसे कैसे व्यक्त करूं। मैं भावुक हूं। वास्तव में, जब फ्लाइट लैंड हुई या फ्लाइट लैंड होने से पहले, मैं अपने बाएं–दाएं देख रही थी और मैंने 24 साल बाद अपने देश को ऊपर से देखा और मैं भावुक हो गई मेरी आंखों में आंसू थे। मैंने अपना पैर मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर रखा और मैं फिर से बहुत अभिभूत हो गई। हालांकि, ममता ने यह नहीं बताया कि उनके भारत वापस आने की क्या वजह थी। ममता ने राम लखन, वक्त हमारा है, क्रांतिवीर, करण अर्जुन, सबसे बड़ा खिलाड़ी, आंदोलन और बाजी जैसी सफल हिंदी फिल्मों में भूमिका निभाई थी। उनकी आखिरी बॉलीवुड फिल्म 2002 में रिलीज हुई थी। उनकी 1995 की फिल्म करण अर्जुन, जिसमें शाहरुख खान, सलमान खान और काजोल भी थे, 22 नवंबर को हिंदी सिनेमा में फिर से रिलीज हुई। यह फिल्म दो भाइयों की कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपने पिता की हत्या के लिए अपने लालची चाचा से बदला लेना चाहते हैं, लेकिन उसके द्वारा मारे जाते हैं और बदला पूरा करने के लिए पुनर्जन्म लेते हैं। उनके विवादों की बात करें तो, 2016 में ठाणे पुलिस ने कथित तौर पर अभिनेत्री को 2000 करोड़ रुपये के अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट और गैंगस्टर को मेथामफेटामाइन के अवैध निर्माण के लिए इफेड्रिन की आपूर्ति करने वाले आरोपियों में से एक के रूप में नामित किया था, जिसका उद्देश्य तस्करी करना था। यह बताया गया कि वह अपने साथी विक्की गोस्वामी और अन्य सह–आरोपियों के साथ जनवरी 2016 में केन्या में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग रिंग में एक बैठक में शामिल हुई थीं। ¼fgQh½

निर्माता साई राजेश को फिल्म के लिए नायिका की तलाश

jkष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता साई राजेश द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म के लिए बॉलीवुड में सबसे ज्यादा मांग वाले कास्टिंग निर्देशकों में से एक मुकेश छाबड़ा फिल्म के लिए फीमेल लीड की तलाश कर रहे हैं। निर्माता अल्लू अरविंद, एसकेएन और मधु मंटेना इस नई लव स्टोरी का प्रोडक्शन कर रहे हैं।

मुकेश छाबड़ा ने अपने सोशल मीडिया पर एक क्रिएटिव वीडियो के साथ टैलेंट सर्च की घोषणा की है। इसमें भूमिका के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं को हाईलाइट किया गया है। कास्टिंग कॉल भारत के सभी कोनों में छिपी प्रतिभाओं के लिए खुली है, जो निर्देशक की इस प्रतिबद्धता को दिखाती है कि वह इस भूमिका के लिए कोई खास प्रतिभा तलाश रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता मधु मंटेना ने कहा, 'जब से मैंने राम गोपाल वर्मा की 'फैक्ट्री' और फिर 'फैंटम' में अपना करियर शुरू किया, मैं हमेशा उन कंपनियों का हिस्सा रहा हूं, जिन्होंने बड़े पर्दे के माध्यम से हमारे उद्योग में नई प्रतिभाओं को पेश करने की कोशिश की है।

बाक्स आफिस पर भूल भुलैया 3 के आगे सिंघम अगेन फेल

बॉक्स ऑफिस पर मंगलवार का कलेक्शन दर्शाता है कि कुछ फिल्मों ने अपनी शानदार यात्रा जारी रखी है, जबकि कुछ के लिए परिणाम अपेक्षाओं के मुकाबले हलके रहे। आइए एक नजर डालते हैं कि मंगलवार को कौन सी फिल्में अधिक कलेक्शन कर पाई और किसकी रफ्तार धीमी पड़ी।

कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन स्टारर फिल्म भूल भुलैया 3 ने मंगलवार को 70 लाख रुपये का कलेक्शन किया।

माकियू ने किया प्रदर्षन, सौंपा सीओ को ज्ञापन

बेलहारा, बाराबंकीएजेंसी)। बुधवार को तहसील फतेहपुर मे राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर नोएडा में भूमि अधिग्रहण के विषय पर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आंदोलन कर रहे किसानों से पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और गिरफ्तारी के विरोध में टिकैत किसान यूनियन युवा मंडल अध्यक्ष समीर यादव और ब्लॉक अध्यक्ष बाबादीन वर्मा की अगुवाई में सैकड़ो कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों सहित फतेहपुर थाने का घेराव करते हुए अपनी मांगो का ज्ञापन प्रधानमंत्री को संबोधित पुलिस क्षेत्राधिकारी जगत कनौजिया को सौंपकर गिरफ्तार किए गए किसानो की रिहाई कराए जाने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष बाबादीन वर्मा ने कहा कि मौजूदा सरकार किसानों की आवाज को दबाने का काम कर रही है नोएडा में जो किसान साथियों के साथ घटना हुई है उसकी मैं पुरजोर दार निंदा करता हूं और साथ में सरकार से यह मांग करता हूं कि गिरफ्तार किए गए सभी किसान साथियों को तत्काल रिहा किया जाए इस मौके पर मुकेश वर्मा, रोहित वर्मा, हरिश्चंद्र, सुनील कुमार, चंद्रपाल, आनंद यादव, जीतू यादव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता व पदाधिकारी गण मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतम बुद्व नगर में भूमि अधिग्रहण के विषय पर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आंदोलन कर रहे किसानों की पुलिस प्रशासन द्वारा आवाज को दबाने का कार्य किया जा रहा है। जिसके विरोध में भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के ब्लाक अध्यक्ष राम प्रताप वर्मा ने दर्जनों साथियों के साथ कोतवाली बदोसरांय पंहुच कर प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन मांग पत्र वरिष्ठ उपनिरीक्षक विष्णु कुमार शर्मा को दिया है। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैतगुट के सिरौलीगौसपुर ब्लाक अध्यक्ष राम प्रताप वर्मा ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर गौतमबुद्व नगर के आंदोलन कारी किसानों को रिहा करने किसानों की मांग पूरा करने से सम्बंधित ज्ञापन मांग पत्र थाना कोतवाली बदोसरांय के वरिष्ठ उपनिरीक्षक विष्णु कुमार शर्मा को सौंपा। ज्ञापन मांग पत्र में यह भी कहा गया है कि किसानों को रिहा करें एंव उनकी मांगों को पूरा किया जाय अन्यथा आंदोलन पूरे देश में विकराल रूप लेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर गोपीचंद वर्मा रामधनी रावत, उमेश गौतम, मो. जीशान जगजीवन यादव आदि मौजूद रहे। जैदपुर थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह को भारतीय किसान यूनियन की हरख ब्लॉक इकाई के नेतृत्व में नवाबगंज तहसील अध्यक्ष शिवनारायण सिंह वर्मा ने कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में ज्ञापन दिया।

खरीफ गोष्ठी किसान पाठशाला का आयोजन

किसानों को दी गयी जानकारी

बाराबंकीएजेंसी)। बुधवार को जनपद की 130 ग्राम पंचायतों में दो दिवसीय ग्राम पंचायतस्तरीय खरीफ गोष्ठी, किसान पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में क्षेत्रीय कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान पाठशाला में कृषकों को कृषि विभाग के क्षेत्रीय तकनीकी कार्मिकों के साथ ही न्याय पंचायत के चयनित मास्टर ट्रेनर द्वारा भी निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ ही व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। विकास खण्ड बंकी के ग्राम पंचायत हांसेमऊ में आयोजित किसान पाठशाला में उप कृषि निदेशक श्रवण कुमार द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर जिला सलाहकार कैलाशनाथ पाण्डेय, सहायक विकास अधिकारी, बंकी, चन्द्रप्रकाश उपाध्याय, प्राविधिक सहायक, ग्रुप सी अमित कुमार के साथ ही लगभग 100 क्षेत्रीय कृषक भी उपस्थित रहे। श्रवण कुमार द्वारा किसान भाइयों को रबी फसलों की बुवाई एवं आईपीएम विधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मिलेट्स फसलों के उत्पादन एवं उसके द्वारा निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों एवं भविष्य में मिलेट्स की सम्भावनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में जीवनशैली सम्बन्धी बीमारियों से बचाव हेतु मिलेट्स फसलों एवं उत्पादों का विशेष महत्व है। कृषि विभाग के अन्य जनपदस्तरीय अधिकारियों एवं समस्त सहायक विकास अधिकारी, कृषि, द्वारा भी विभिन्न विकास खण्डों की ग्राम पंचायतों में आयोजित किसान पाठशालाओं में उपस्थित रहकर किसान भाइयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दो दिवसीय ग्राम पंचायतस्तरीय खरीफ गोष्ठीध किसान पाठशाला का आयोजन जनपद की कुल 667 ग्राम पंचायतों में किया जायेगा। जनपद में किसान पाठशालाओं का आयोजन आगामी 31 दिसम्बर तक किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक ने थाना रावर्ट्सगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया

सोनभद्रएजेंसी)। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बुधवार को थाना रॉबर्ट्सगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, सीसीटीवी, हवालात, कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, पुलिस बैरक, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा कार्यालय के अभिलेखों में अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर व अद्यावधिक करते हुए उनके व्यवस्थित रख–रखाव, थाने पर दाखिल विभिन्न अभियोगों से संबंधित मालध्वाहनों के संबंध में न्यायालय के निर्णयोपरांत विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस सन्दर्भों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ितधशिकायतकर्ता

की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना–पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत–प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख–रखाव व नियमित साफ–सफाई करने, मिशन शक्ति कक्षध्महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मी को आने वाली फरियादियों की समस्या को सहानुभूति पूर्वक सुनकर उनका निस्तारण कराने के साथ ही एंटी रोमियों टीम को अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओंध्बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गये। इसी क्रम में द्वारा द्वारा शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत द्वारा कस्बा रॉबर्ट्सगंज में पैदल गश्तध्फूट पैट्रोलिंग किया गया। इस दौरान वहां उपस्थित आमजनमानस से वार्ता कर उनसे शान्ति व्यवस्था, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी। इसके साथ ही लोगों को किसी भी अफवाह पर ध्यान न देते हुए अफवाह फैलाने वाले लोगों की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आमजन की समस्याओं के समाधान तथा सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल पूरी तरह तैयार है तथा किसी तरह की समस्या अथवा अफवाह की सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करें। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियोंध्वाहनों की चेकिंग की गयी तथा लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे शान्ति, सहयोग व सौहार्द्र बनाये रखने हेतु अपील की गयी व सड़क पर अवैध अस्थाई अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया।

देष विरोधी पार्टी हैं सपा और कांग्रेसः स्वाती सिंह

फतेहपुर–बाराबंकीएजेंसी)। संभल में हुई हिंसा को लेकर सपा व कांग्रेस पार्टी में तुष्टिकरण की प्रतियोगिता चल रही है। समाजवादी पार्टी को इसमें आगे बढ़ता देख राहुल गांधी ने उनसे बड़ी फोटो खिंचवाने के लिए संभल में पिकनिक मनाने के लिए निकले थे। उनको जनता की संवेदनाओं को दरकिनार कर अपनी राजनीतिज्ञ रोटियां सेकेने में जुटी हुई है। उक्त बातें भाजपा नेता व पूर्व मंत्री स्वाति सिंह ने कही। संभल हिंसा पर मीडिया से बात करते हुए कहा, आखिर एक संवेदनशील नेता कहीं भी आग बुझाने के लिए निकलता है न कि आग लगाने के लिए। एक ही परिवार की पार्टी के इकलौते नेता राहुल गांधी संभल मामले में तो बुझी हुई आग को लगाना चाहते हैं। संभल दौरे पर जाना उनकी नियत को देश की जनता समझ रही है। राहुल गांधी की संभल यात्रा पर उन्होंने आगे कहा, कि वे सिर्फ फोटो खिचवाने के लिए घर से निकले थे। वे जानते थे योगी सरकार की पुलिस उन्हें आगे बढ़ने नहीं देगी। इस कारण वे घर से फोटो खिंचवाने निकले थे और पुनरू घर में वापस चले गये। उनके द्वारा हर एक मंच पर हाथ में प्रतिकात्मक संविधान की किताब की दुहाई देने वाली कांग्रेस पार्टी हिंदू विरोधी सोच के साथ आपातकाल में कई बार संविधान को बदला है। संविधान को तोड़ने का प्रयास कर रही कांग्रेस पार्टी प्रायश्चित का ढोंग करने में जुटी हुई है। संविधान का सबसे ज्यादा अपमान कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने किया है। स्वाती सिंह ने कहा कि विपक्ष की सोच हिंदू विरोधी के साथ–साथ एक समुदाय को अपने पक्ष में दिखावे के लिए कर रही है। गौरतलब है बीते 70 सालों में कांग्रेस पार्टी ने उस समुदाय का कोई विकास न करते हुए केवल वोटबैंक समझा है। कांग्रेस पार्टी अडाणी मुद्दे पर फंसी थी और सपा इसमें बढ़त बनाकर आगे निकलने का प्रयास कर रही थी। यही कारण है कि राहुल को बाहर निकलकर बताना था कि वे एक समुदाय विशेष के हितैषी हैं। उन्हें सिर्फ दिखाना था और दिखाकर चले गये। उनसे किस के हित से कुछ भी लेना–देना नहीं है। स्वाती सिंह ने कहा कि जहां पर जांच के दौरान पाकिस्तान निर्मित गोलियां मिल रही हों। वही विपक्ष इसको देश का माहौल खराब करते हुए दूसरा रंग देने में लगा हुआ है। जबकि वहां का प्रशासन हर वक्त शांति बनाये रखने के लिए दिन–रात एक कर रहा है। वहां पर जाकर आखिर राहुल गांधी देश को क्या संदेश देना चाहते हैं। राहुल गांधी की झूठी राजनीति को जनता समझ चुकी है। आने वाले चुनाव में राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी का पत्ता जनता साफ कर देगी।

सामुदायिक शौचालय पर लटक रहा है ताला, अधिकारी अंजान

सुबेहा बाराबंकीएजेंसी)। खुली शौच मुक्त करने के उद्देश्य से पंचायत में लाखो रुपए खर्च कर बनाए गए सामुदायिक शौचालय शो पीस बनकर रह गए हैं। शौचालय का संचालन नहीं हो रहा है इसमें ताले लटक रहे हैं जिससे ग्रामीण इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और खुली शौच करने के लिए विवश है। ताजा मामला विकास खंड हैदरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत शरीफाबाद का है यहां पर ग्रामीणों की सुविधा हेतु लाखो रुपए की लगत से सामुदायिक शौचालय बनाया गया है। शौचालय का संचालन हो रहा या नहीं बुधवार को पहुंचकर जायजा लिया गया तो इसमें ताला लटक रहा था शौचालय के टैंक पर ढक्कन तक नहीं नजर आए टैंक खुले पड़े थे। टायलेट से टैंक को जलनिकासी के लिए डाली गई पाइप लाइन भी क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व प्रधान के कार्यकाल में शौचालय बना था मुश्किल से दो चार हफ्ते भले ही इसका ताला खुला हो इसके बाद से हमेशा ही ताला लगा रहता है कोई कर्मचारी भी इसकी देखरेख करने नहीं आता है। आलम यह है कि देखरेख के अभाव में भवन की फर्श भी जगह जगह से टूटती जा रही है। शौचालय में ताला लगा होने की वजह से इसका उपयोग नहीं कर पा रहे मजबूरन खुली शौच करना पड़ता है। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि जब शौचालय में ताला ही लगाना है तो इससे बनवाने का कोई मतलब नहीं बनता सिर्फ सरकारी पैसे की बर्बादी की गई है। वहीं इस संबंध में एडीओ पंचायत से बात की गई तो उन्होंने बताया कि शौचालय का संचालन क्यों नहीं हो रहा है भुगतान हुआ या नहीं इसको दिखवाते है मामले की जांच कर विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

महादेवा महोत्सव, कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

बाराबंकीएजेंसी)। महादेवा महोत्सव में बुधवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकार हृदयेश तिवारी जादूगर द्वारा जादू के अनेक अजब गजब कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जिसे देखकर दर्शक दंग रह गए। उन्होंने जादू के माध्यम से स्वच्छता, शिक्षा व केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का बखान कर आदि विषयों के प्रति जनमानस को जागरूकता का संदेश दिया। दर्शकों ने भी तालियां बजाकर ह्रदयेश जादूगर की खूब हौसला आफजाई की। महादेवा महोत्सव के सांस्कृतिक मंच से जादूगर ह्रदेश तिवारी नें अपने जादू से नायब तहसीलदार को पुष्प गुच्छ भेंट किया साथ ही माला भी अपने जादू से उनको पहनाया।सांस्कृतिक मंच पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने लोकगीत के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं के विषय में जनमानस को जागरूक किया। लोकगायक मुन्ना अलबेला ने लागेला स्वर्ग के समान बाराबंकी नगरी लोकगीत के माध्यम से लोधेश्वर महादेवा, देवा, कोटवाधाम आदि जिले के तीर्थ स्थलो की महत्व बताकर खूब तालियां बटोरी। लोक गायक सोनेलाल यादव ने जीप चले फुटुर फुटुर, लायदा फटफटवा आधुनिक लोकगीत की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद अमृत भइल बा शराब कबाब का जवाब नईखे, जीत की शानदार प्रस्तुति दी। नया योजनवा आई, खुशी बहिनी बिरवना, गीत के माध्यम से सरकार की नई योजनाओं के बारे में बताया। कहवा पे राम भइले, कहवा पे मोहन हो सोहर की बेहतरीन प्रस्तुति देकर खूब तालिया बटोरी। सांस्कृतिक दल के लोक गायक जितेंद्र कुमार ने लल्ला दुलरूवा हमार चले जाओ पढ़ने लोकगीत के माध्यम से सर्व शिक्षा अभियान योजना के बारे में बताया। मिशन है स्वच्छ भारत का इसे क्यूँ भूल जाते हो, बनाओ

घर में शौचालय शौच बाहर क्यूँ जाते हो, गीत सुना कर स्वच्छ भारत मिशन योजना के बारे में जागरूक किया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में बताते हुए, का बिटिया कौनव जहर है लोकगीत प्रस्तुत किया। हे भोले शंकर जी मुझको अपना लेना गीत सुना कर पूरा माहौल भक्ति मय कर दिया। लोक गायक जमुना प्रसाद कनौजिया ने एगो बिटिया दे देता, करेब दे कन्या दनवा लोकगीत सुनाकर बेटी के सम्मान की महत्ता बताई। भूसा बिकाय हमें लाय देव लटकन गीत की शानदार प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। इस मौके पर नायाब तहसीलदार सैयद तहजीब हैदर, उपनिरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने प्रतिभागी कलाकारों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

वर्ल्ड वाचिंग डे का हुआ आयोजन

बेलहारा, बाराबंकीएजेंसी)। विकास खण्ड फतेहपुर की ग्राम पंचायत दोहाई सोहाई में स्थित किरकिच्ची झील में में डीएफओ के निर्देशन में झील में वर्ल्ड वाचिंग डे का आयोजन किया गया। झील में विदेश से आए पक्षियों के साथ पक्षी प्रेमियों ने फोटो ग्राफ खींचवा कर आनंद लिया वहीं लोगों को पक्षियों के बचाव के लिए जागरूक किया गया जिला वन संरक्षण अधिकारी आकाश दीपबधावन के निर्देशन में फतेहपुर वन क्षेत्र अंतर्गत दोहाई सोहई गांव में स्थित किरकिच्ची झील में वर्ल्ड वाचिंग डे का आयोजन किया गया। झील में विदेश से मेहमान के रूप में आए हुए साइबेरियन पक्षी, पिनटेल, कुर्चियां बतख शिवाङुबङुबी, सिलेटी अंजन, नारिअंजन, घोंगिल, चेतावनी, गिर्री बत्तख, बेखुर बत्तख आदि को देखने हेतु पक्षी प्रेमी पूनम नायक, डा. रजत और रवि कपूर आदि लोग पहुंचे। वहीं फोटोग्राफी का आनंद लिया और लोगों को पक्षियों के बचाव हेतु जागरुक किया गया उधर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए फतेहपुर रेंज का सहयोग रहा। इस मौके पर वन दरोगा मोहित श्रीवास्तव, रविंद्र कुमार सहित काफी लोग मौजूद रहे।

आब्जर्वर के साथ नेशनल अचीवमेंट सर्वे परीक्षा सम्पन्न

सोनभद्रएजेंसी)। उप शिक्षा निदेशकधजिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पांडेय के निर्देशन में जनपद के 104 परीक्षा केंद्रों पर 123 एफ आई व 123 आब्जर्वर के सहयोग से नेशनल अचीवमेंट सर्वे परीक्षा 2024 पूर्ण कराई गई। इस कार्य हेतु जनपद के दसों विकास खण्डों में खंड शिक्षा अधिकारियों के निर्देशन में डाइट प्रशिक्षुओं के माध्यम से कक्षा 3 कक्षा 6वीं कक्षा 9 से कुल 3406 विद्यार्थियों की परीक्षा कराई गई। इस परीक्षा को पूर्ण कराने हेतु क्पमज में स्थापित ब्वदजतवस त्ववउ के सदस्यों द्वारा तकनीकी समस्याओं का समाधान किया गया जिसमें राजकुमार (प्रवक्ता), संजय मिश्र ैत्ळ) विनोद कुमार ैत्ळ), विपिन शुक्ला, सूर्य प्रकाश सहित आनंद त्रिपाठी द्वारा टेलिफोनिक वार्ता से समस्त परीक्षा केन्द्रों की कार्यप्रणालियों व तकनीकी समस्याओं का हल किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय एवं जिला समन्वयक प्रशिक्षण जय किशोर वर्मा द्वारा विकासखंड म्योरपुर की परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

कोटेदारों ने अपनी मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

सोनभद्रएजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं का खाद्यान एवं चीनी का लाभांश बढ़ाने व मानदेय की मांग को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंच विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। संगठन अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कोटेदार शासन के निर्देश पर राशन वितरण करते हैं साथ ही कोरोना काल में भी उत्तर प्रदेश के कोटेदार प्रधानमंत्री अन्न योजना व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत निःशुल्क वितरण किया। कोटेदार अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह न करते हुये सरकार के दिशा निर्देशों में ई पास मशीन में ईमानदारी के साथ वितरण किया। उ०प्र० के कोटेदार सरकार के निर्देशानुसार वितरण करते हैं। जबकि अन्य प्रदेशों में अधिक लाभांश और मानदेय दिया जा रहा है।

माकपा ने बिजली के निजीकरण के खिलाफ दिया ज्ञापन

0 बिजली उपभोक्ताओं से अवैध रूप से वसूले टैक्स 31725 करोड़

सोनभद्रएजेंसी)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा के प्रदेश व्यापी मांग दिवस पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन के माध्यम से महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश को ज्ञापन दिया। कामरेड नंदलाल आर्य जिला मंत्री सीपीआईएम ने महामहिम से बिजली निजीकरण किये जाने पर तत्काल प्रभावी हस्तक्षेप किये जाने की मांग किया। बिजली विकास का आधार है और यह राज्य की जिम्मेदारी है कि हर नागरिक को आवक रूप से सस्ती बिजली उपलब्धा हो, बिजली को कुछ कॉरपोरेट्स कंपनियों के लिए मुनाफा कमाने का साधन नहीं बनाया जा सकता, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में घाटे के नाम पर उक्त निगम का निजीकरण का फैसला लिया गया है। घाटा एक लाख 10 हजार करोड रुपए का बताया जा रहा है जबकि बिलों का बकाया एक लाख 5828 करोड़ रूपया का है जिसका प्रचंड हिस्सा सरकारी विभागों, पुलिस विभाग, इंडस्ट्रीज आदि पर है, जिससे घाटा पूरा होकर निगम फायदे में हो सकते हैं, निजीकरण का यह फैसला आम उपभोक्ता के खिलाफ है। माकपा आपसे तुरंत हस्तक्षेप कर निजीकरण के फैसले को वापस लेने की मांग करती है। उत्तर प्रदेश के दक्षिणांचल व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला फौरन वापस लिया जाए, बिजली विधेयक संशोधन 2022 वापस लिया जाए, स्मार्ट–प्रीपेड मीटर लगाने, बिजली के रेट ईंधन से जोड़ने आयातित कोयला खरीदने की बाध्यता का फैसला वापस लिया जाए, दिन और रात के समय पिक आवर्स के बिजली रेट अलग–अलग तय करने का आदेश वापस लिया जाए किसानों को नलकूपों के लिए कम से कम 18 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाए, जर्जर तार खंबे ट्रांसफार्मर बदले जाएं, ताकि हो रही जानलेवा दुर्घटनाओं को रोका जा सके, उत्तर प्रदेश सरकार 300 यूनिट तक बिजली बिल अप्रैल 2023 से नलकूपों के बिल माफ करने के चुनावी वादे को बिना शर्त पूरा किया जाए, बिलों की जबरन वसूली को रोका जाए, बिजली उपभोक्ताओं से अवैध रूप से वसूले टैक्स का 31725 करोड़ रूपया बिजली विभाग पर जमा है उसे बिजली के बिलों में समायोजित किया जाए, बिजली कनेक्शन काटने व जोड़ने पर लिए जाने वाला पैसा समाप्त किया जाए, अधिक रीडिंग दे रहे मीटरों व अधिक आ रहे बिलों को ठीक किया जाए, बिजली विभाग में रिक्त पड़े स्थान को भर जाए, संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली विभाग में 6 माह तक हड़ताल पर पाबंदी के गैर जनता तांत्रिक आदेशों को तत्काल प्रभाव से वापस कराया जाए। इस मौके पर प्रेमनाथ, पुरूशोत्तम, हनुमान प्रसाद, लल्लन राम, रविंद्र कुमार, माथुर प्रसाद, बिंदु पटेल , शुभम शर्मा, का0अमरनाथ आदि मौजूद रहे।

गन्ना क्रय केन्द्र का एसडीएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देष

सिरौलीगौसपुर बाराबंकीएजेंसी)। एसडीएम प्रीति सिंह ने गन्ना क्रय केंद्र बदोसराय का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने व्यवस्थाओं को परखने के साथ ही गन्ना अधिकारियों को विशेष दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि क्रय केंद्रों पर नियमों का पालन पूरी तरह से होना चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली तो कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को करीब 4 बजे उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने बदोसराय गन्ना क्रय केंद्र पर पहुंचकर निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने काटें पर 10 कुंटल बाट रखवा कर काटें को चेक करवाया। इसमें तौल ठीक मिली। इसके साथ ही सेंटर पर नियमों के पालन, अधिकारियों के मोबाइल नंबर बैनर पर लिखे मिले। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों का गन्ना लेते समय पूरा ख्याल रखा जाए कि घटतौली किसी भी सूरत में न होने पाए। उनकी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। किसी भी गड़बड़ी पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर गन्ना विकास समिति लिमिटेड बुढ़वल सचिव विनोद कुमार, तौल लिपिक जितेंद्र कुमार सिंह, जोनल इंचार्ज इंद्रजीत यादव, संभागीय अधिकारी अमित कुमार सिंह मौजूद रहे।

पीसीएस परीक्षा हेतु केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापकों डीआईओएस के साथ की बैठक

सोनभद्रएजेंसी)। जिलाधिकारी बीएन सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागागर में पूर्व निर्धारित उ०प्र० पी०सी०,एस० परीक्षा–2024 हेतु जनपद के 10 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापकों और व्यवस्था में लगे जिला विद्यालय निरीक्षक तथा अपर जिलाधिकारी के साथ बैठक की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धितों को निर्देशित किया कि परीक्षा में सभी की महत्वपूर्ण जबाबदेही होगी। सभी परीक्षा केन्द्रों के लिये सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक और सह केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती की जायेगी। आन्तरिकध्बाह्य कक्ष निरीक्षकध्अन्तरीक्षक के रूप में राजकीयध्अनुदानित शिक्षकधशिक्षिकाओं की ही ड्यूटी लगायी जायेगी, जिनका फोटोयुक्त पहचान पत्र बनाया जायेगा। प्रत्येक कक्ष में 24 या 48 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, परीक्षार्थी प्रथम पाली में प्रातः 08–00 बजे से 08–45 बजे तक ,वं द्वितीय पाली 01–00 बजे से 01–45 बजे तक ही तलाशी के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश कर सकेंगें, उसके बाद प्रवेश की अनुमति नही हागी। परीक्षार्थियों के बैग एवं मोबाइल के रख–रखाव की व्यवस्था टेन्ट के पास बाहर करायी जायेगी, जो निःशुल्क हागी, सामूहिक बैठक व्यवस्था का डिस्प्ले गेट पर और परीक्षार्थियों के सीटिग प्लान का डिस्प्ले कक्षा–कक्ष के बाहर किया जायेगा।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।